हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-263, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, सोमवार 09 मार्च 2026

चांसलर कप इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में ...02

राष्ट्र का उत्थान नारी शक्ति का सम्मान सनत कुमार सिंह...06

संक्षिप्त समाचार

आप महिला प्रकोष्ठ ने निकाला पैदल मार्च

लखनऊ। समाज मे महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध को लेकर रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आम आदमी पार्टी (आप) के उत्तर प्रदेश महिला प्रकोष्ठ ने मुंह पर काली पट्टी बांध कर लखनऊ में पैदल मार्च निकाला। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने सुरक्षा, त्वरित न्याय तथा अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव के नेतृत्व में यह मार्च पार्टी कार्यालय से शुरू होकर मिठाई लाल चौराहा, गोमती नगर तक निकाला गया। मार्च में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

शाहजहांपुर में कार पलटने से इंजीनियर की मौत ,तीन घायल

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जिले के थाना मदनापुर क्षेत्र में रविवार को तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई।इस हादसे सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसके चचेरे भाई बहन गंभीर रूप से घायल हुए है पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर (सीओ) प्रियांक जैन ने बताया कि थाना मदनापुर क्षेत्र के रहने वाले सौरभ पाल (25) नोएडा में किसी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे।वह परिवार के साथ होली का त्योहार मनाने के लिए घर आए हुए थे। आज सुबह अपने भाई हर्षित, स्वाति और आदित्य के साथ जलालाबाद किसी रिश्तेदार के होली मिलने जा रहे थे। तभी अचानक मदनापुर से बुधवाना मार्ग पर उनकी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई।खेत में काम कर रहे ग्रामीणों ने किसी तरह कार में फंसे चारों लोगो को बाहर निकाला।

मनरेगा भ्रष्टाचार में डीएम की कार्रवाई, दोषियों से होगी वसूली

संतकबीर नगर। उत्तर प्रदेश में संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद विकास खंड की ग्राम पंचायत तामा में मनरेगा योजना के तहत स्वीकृत परियोजना के बजाय अन्य स्थान पर कार्य कराए जाने के मामले में जिलाधिकारी ने कड़ी कार्रवाई की है। दोषी ग्राम प्रधान, सचिव, तकनीकी सहायक (टीए) और रोजगार सेवक से धनराशि की वसूली कर श्रमिकों को भुगतान कराने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी ने बताया कि ग्राम पंचायत तामा उर्फ तामेश्वरनाथ में मनरेगा के तहत झझवा तालाब के तीसरे भाग की खुदाई और सफाई की परियोजना स्वीकृत थी, लेकिन गाइडलाइन का उल्लंघन करते हुए स्वीकृत स्थल के बजाय दूसरे स्थान पर कार्य कराया गया। यह कार्य नौ जुलाई से 24 जुलाई 2025 के बीच कराया गया, जिसमें मस्टर रोल संख्या 3791, 3792, 3793 और 3794 पर 45 श्रमिकों को कार्यरत दर्शाया गया।

सुलतानपुर में डबल नहर उफान पर, 10 गांवों पर खतरा बढ़ा

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले के बल्दीराय क्षेत्र में डबल नहर के उफान से नहर की कटान की भी संभावना बढ़ गई। इससे आसपास के करीब 10 गांवों पर खतरा मंडरा रहा है। जानकारी के मुताबिक बल्दीराय क्षेत्र के गोविंदपुर के पास नहर का पानी ओवरफ्लो होकर दूसरी नहर में जा रहा है, जिससे आसपास के करीब 10 गांवों पर खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति पिछले तीन दिनों से बनी हुई है, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। नहरों के ओवरफ्लो से नहर की कटान बढ़ने की आशंका है। बल्दीराय निवासी वकील अहमद ने बताया कि यदि नहर टूटती है तो गोविंदपुर क्षेत्र के लगभग 10 गांवों में पानी घुस सकता है

पीएम मोदी बोले- देश माफ नहीं करेगा राष्ट्रपति का अपमान

यह संविधान और लोकतंत्र का अपमान, राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल उल्लंघन को लेकर टीएमसी पर बरसे पीएम मोदी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम के बहिष्कार को लेकर टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोला और इसे संविधान व लोकतंत्र का अपमान बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में आयोजित एक कार्यक्रम को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सम्मान के साथ समझौता किया गया और यह न केवल राष्ट्रपति बल्कि देश के संविधान का भी अपमान है। यह लोकतंत्र की महान परंपरा का भी अपमान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संथाल समुदाय के एक बड़े सांस्कृतिक उत्सव में शामिल होने के लिए पश्चिम बंगाल गई थीं। लेकिन इस महत्वपूर्ण और

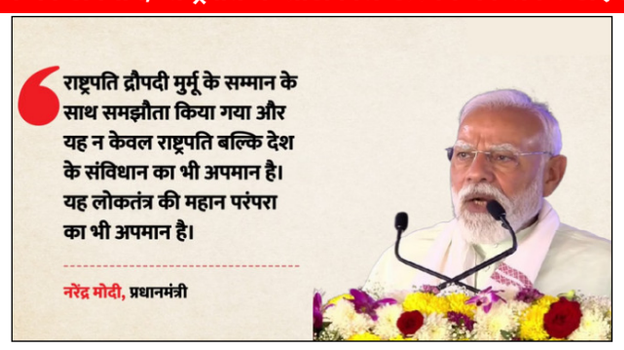

पवित्र कार्यक्रम में उन्हें उचित सम्मान देने के बजाय टीएमसी ने उसका बहिष्कार किया। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति स्वयं आदिवासी समाज से आती हैं और वह हमेशा आदिवासी समुदाय के विकास और कल्याण को लेकर चिंतित रही हैं। इसके बावजूद राज्य सरकार की ओर से कार्यक्रम के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई गई। टीएमसी सरकार पर सत्ता के अहंकार प्रधानमंत्री के अनुसार, राज्य सरकार ने इस आयोजन को पूरी तरह अव्यवस्था के हवाले कर दिया। उनका कहना था कि यह घटना केवल राष्ट्रपति का अपमान नहीं है, बल्कि यह भारत के संविधान और उसकी मूल भावना का भी अनादर है। उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र की महान परंपरा में राष्ट्रपति का पद सर्वोच्च सम्मान का प्रतीक होता है। ऐसे में किसी भी राजनीतिक मतभेद से ऊपर उठकर इस पद की गरिमा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। पीएम मोदी ने टीएमसी सरकार पर सत्ता के अहंकार में डूबे होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करती हैं। राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल उल्लंघन पर केंद्र सख्त इससे पहले केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से इस संबंध में विस्तृत जवाब मांगा है। सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल, कार्यक्रम स्थल और मार्ग व्यवस्था से जुड़े नियमों के कथित उल्लंघन पर पश्चिम बंगाल सरकार से रविवार शाम 5 बजे तक जवाब तलब किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस: सीएम योगी बोले-

बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को धरती पर जगह नहीं मिलेगी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बेटियों में अब खूब आत्मविश्वास है। उन्हें सुरक्षा दी जा रही है। बेटियां पर किसी पर निर्भर नहीं रहेंगी। जन्म के बाद से ही उनका नाम रजिस्टर होते ही उनके अकाउंट में पैसे आ जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित रोजगार महाकुंभ 2026 को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियों में खूब आत्मविश्वास होता है। उन्हें समान अवसर मिलने चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि उन्हें सुरक्षा मिले। प्रदेश में अब कानून का राज है। बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को धरती पर जगह नहीं मिलेगी। अगर किसी शोहदे ने बेटियों से अभद्रता की तो चैराहे पर यमराज के दूत उसका टिकट काटने के लिए बैठे हैं। सीएम योगी ने कहा कि कन्या सुमंगला योजना से प्रदेश की करीब 27 लाख बेटियां लाभांवित हो रही हैं। अब बेटियां किसी पर बोझ नहीं हैं। बेटी पैदा होती है और उसका नाम रजिस्टर में चढ़ता है तो उसके अकाउंट में पैसे आ जाते हैं। बेटियां किसी पर अब निर्भर नहीं रहेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेटियों को विकास के समान अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। 1947 से 2017 तक उत्तर प्रदेश पुलिस में महिला कर्मियों की संख्या करीब 10 हजार थी जो कि अब 44 हजार से ज्यादा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों में अब खूब आत्मविश्वास है।

उन्होंने अभिभावकों से बेटियों को पढ़ाने की अपील की है।

कांग्रेस ने विदेश नीति पर उठाए सवाल, महिला कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी के बाद कांग्रेस ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की नाकामी का बोझ जनता पर डाला जा रहा है। घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी सिलिंडर की कीमत बढ़ने के बाद सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की नाकामी का खामियाजा देश की जनता को भुगतना पड़ रहा है। पार्टी का कहना है कि पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होने का फायदा लोगों को नहीं दिया गया और अब अचानक गैस की कीमत बढ़ाकर जनता को महंगाई का झटका दिया गया है। एलपीजी की कीमत बढ़ने पर कांग्रेस ने क्या कहा? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर पर करीब 115 रुपये का मुनाफा कमाया जा रहा है। खरगे ने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम थीं तब सरकार ने जनता को उसका लाभ नहीं दिया। अब जब लोग पहले से महंगाई की मार झेल रहे हैं, तब गैस की कीमत बढ़ाकर उनकी परेशानी और बढ़ा दी गई है।

ममता बनर्जी के धरने का तीसरा दिन, भाजपा पर हुई हमलावर, चुनाव आयोग के दुरुपयोग का आरोप

कोलकाता,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता में लगातार तीसरे दिन धरने पर बैठी हैं। सीएम बनर्जी का राज्य में एसआईआर के बाद मतदाता सूची से मनमाने ढंग से नाम हटाए जाने के आरोप के बाद धरना जारी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एसआईआर के बाद मतदाता सूची में कथित मनमानी तरीके से नाम हटाए जाने के विरोध में चल रहा धरना रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा।

टीएमसी सुप्रीमो ने भाजपा पर श्वैध मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने के लिए चुनाव आयोग का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। लोकतांत्रिक नींव पर सीधा हमलारू ममता उनकी यह टिप्पणी ऐसे दिन आई है, जब राज्य विधानसभा चुनावों से पहले चुनावी तैयारियों की समीक्षा करने के लिए चुनाव आयोग की पूरी पीठ कोलकाता

पहुंचने वाली है। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक नींव पर श्अभूतपूर्व और प्रत्यक्ष हमलाश् हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने ष्एक राष्ट्र, एक नेता, एक पार्टीष् के उन्माद में, अपने जन-विरोधी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर लोकतांत्रिक संस्था और संवैधानिक पद को व्यवस्थित रूप से हथियार बना रही है। संविधान को बदलने की कोशिश का आरोप बनर्जी ने यह भी दावा किया कि भाजपा का अंतिम लक्ष्य बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान को अपने श्पार्टी घोषणापत्रश् से बदलना है। उन्होंने कहा कि वर्षों से भाजपा ने बंगाल के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों, राष्ट्रीय आयोगों, एक चाटुकार मीडिया और न्यायपालिका के एक आज्ञाकारी वर्ग का इस्तेमाल किया है।

यूजीसी नियमों के खिलाफ सड़कों पर उतरा सवर्ण समाज, रामलीला मैदान, जंतर-मंतर से की ये मांग

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार देश को विश्व के पटल पर सबसे बड़ी शक्ति के रूप में बनाने की बात करती है, लेकिन उसे बताना चाहिए कि अपने ही सबसे प्रतिभाशाली छात्रों को जेल में डालकर वह देश का नाम कैसे रोशन करेगी। लोगों ने सरकार से इन नियामों को तत्काल वापस लेने की मांग की। यूजीसी नियमों के खिलाफ रविवार को सवर्ण समाज दिल्ली की सड़कों पर उतरा। सवर्ण समुदाय के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी और उन्हें हाउस अरेस्ट करने के बाद भी बड़ी संख्या में सामान्य वर्ग के युवा दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर पहुंचे और यूजीसी नियमों के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त की। युवाओं ने कहा कि सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिए जो सभी समाज और सभी वर्ग के हितों की रक्षा करे। युवाओं ने कहा कि नियम-कानून की आड़ में लगातार सामान्य वर्ग का

उत्पीड़न होता रहा है, लेकिन अब बच्चों को कॉलेज स्तर पर भी प्रताड़ित करने की तैयारी की जा रही है। यह हर हाल में रुकना चाहिए।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई कहासुनी

जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ जुटने के बाद उनकी पुलिस जवानों से जमकर कहासुनी हुई। रामलीला मैदान में भी जोरदार प्रदर्शन करने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बसों में भरकर दूर ले गई। सुरक्षा बलों का कहना था कि रविवार को यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन की अनुमति नहीं थी।

वीर सावरकर एक निष्ठावान देशभक्त, जिनकी हिंदुत्व की व्याख्या आज भी प्रासंगिक, बोले नितिन गडकरी

नागपुर,(एजेंसी)। नितिन गडकरी ने कहा कि वीर सावरकर के लेखन और उन पर बनी फिल्म को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने सावरकर को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया, जिनका जीवन देश के प्रति समर्पण का प्रतीक है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने विनायक दामोदर सावरकर को एक सच्चे देशभक्त और वैज्ञानिक सोच वाला व्यक्ति बताया है। उन्होंने कहा कि सावरकर ने हिंदुत्व को जिस तरह से समझाया था, वह आज भी बहुत काम आता है और महत्वपूर्ण है। एक कार्यक्रम में, जहां सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज पांडे (रिटायर्ड) का सम्मान किया गया, गडकरी ने कहा कि सावरकर सभी के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि सावरकर सिर्फ एक देशभक्त ही नहीं थे, बल्कि एक बेहतरीन कवि, विचारक और इतिहासकार भी थे। सबसे खास बात यह है कि वे समाज को सुधारने वाले एक आदर्श व्यक्ति थे। वैज्ञानिक वैचारिक दृष्टिकोण और हिंदुत्व की प्रासंगिकता गडकरी ने कहा, ष्सावरकर की सोच वैज्ञानिक थी। उन्होंने हिंदुत्व के बारे में जो बातें बताईं, वे आज के समय में बहुत उपयोगी और प्रासंगिक हैं।ष् उन्होंने बताया कि सावरकर का मानना था कि हिंदू समाज में जो जाति-भेदभाव और छुआछूत है, उसे पूरी तरह खत्म कर देना चाहिए। गुणों पर आधारित श्रेष्ठता का सिद्धांत केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह सावरकर का दृढ़ विश्वास था कि किसी भी व्यक्ति को उसकी जाति के कारण श्रेष्ठ नहीं माना जा सकताय व्यक्ति अपने गुणों के कारण श्रेष्ठ बनता है। गडकरी ने कहा कि सावरकर का पूरा जीवन त्याग, तपस्या और समर्पण का उदाहरण है।

सीहोर में बेकाबू बोलेरो का कहर

सीहोर,(एजेंसी)। सीहोर शहर में मोती बाबा मंदिर के पास तेज रफ्तार बोलेरो ने सड़क किनारे खड़े चार किशोरों को टक्कर मार दी। हादसे में दो किशोरों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपी चालक मौके से फरार है। पढ़ें पूरी खबर सीहोर शहर में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। मोती बाबा मंदिर के पास तेज रफ्तार से दौड़ती हुई एक बेकाबू बोलेरो ने सड़क किनारे खड़े चार किशोरों को बेरहमी से टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि बोलेरो चारों को करीब 70 फीट तक घसीटते हुए ले गई और फिर ट्रैक्टर व टैंकर से टकराने के बाद एक चाय की दुकान में जा घुसी। इस दर्दनाक हादसे में दो किशोरों की ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

एक इंच जमीन भी नहीं लेने देंगे

अमेरिका को ईरान की दो टूक, पड़ोसी देशों पर हमले रोकने वाले बयान पर दी सफाई

तेहरान,(एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अपने हालिया बयानों पर उठे विवाद पर सफाई देते हुए कहा है कि उनके शब्दों को श्दुश्मनोंश् द्वारा गलत समझा गया है, जिनका उद्देश्य पड़ोसी देशों के साथ विभाजन पैदा करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है। इसी के साथ उन्होंने साफ कहा कि ईरान देश की एक इंच जमीन भी किसी को नहीं लेने देगा। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि उनके हालिया बयान को दुश्मनों ने गलत तरीके से पेश किया है। उन्होंने कहा कि कुछ ताकतें ईरान और उसके पड़ोसी देशों के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। स्टेट टीवी के अनुसार राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि ईरान अपने पड़ोसी देशों के

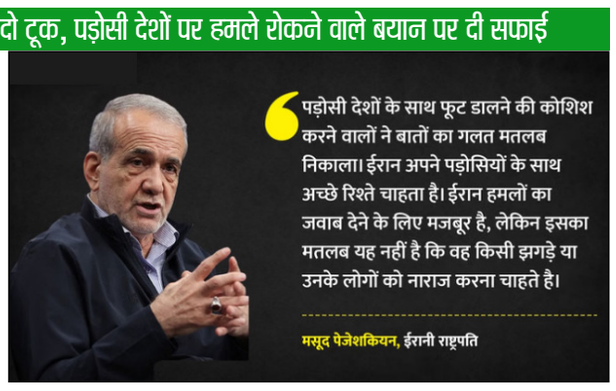

साथ अच्छे और दोस्ताना संबंध बनाए रखना चाहता है। पेजेशकियन ने कहा कि ईरान कई बार यह कह चुका है कि पड़ोसी देशों के साथ भाईचारे और अच्छे रिश्ते होने चाहिए। हालांकि अगर ईरान पर हमला होता है तो जवाब देना उसकी मजबूरी बन जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि जवाबी कार्रवाई का मतलब यह नहीं है कि ईरान का किसी पड़ोसी देश से विवाद है या वह वहां के लोगों को नुकसान पहुंचाना चाहता है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि बार-बार कहा गया है कि हम भाई हैं और हमें पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध रखने चाहिए। हालांकि, हमें हमलों का जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हमारा किसी (पड़ोसी) देश के साथ कोई विवाद

2.60 लाख करोड़ का बजट पेश, महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने का एलान

चंडीगढ़,(एजेंसी)। पंजाब की महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये मिलेंगे। पंजाब सरकार ने अपने बजट में महिलाओं के लिए मावां-धीयां सत्कार योजना का एलान कर दिया है। सूबे की 97 प्रतिशत महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। पंजाब सरकार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रदेश की महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। मान सरकार ने रविवार को अपना बजट 2026-27 पेश किया। वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने बजट भाषण के दौरान मावां-धीयां सत्कार योजना का एलान किया। इस योजना के तहत पंजाब की 97 प्रतिशत महिलाओं को हर महीने आर्थिक सहायता राशि दी जाएगी। इस योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये की राशि मिलेगी। खास बात यह है कि सरकार ने अनुसूचित जाति समुदाय की महिलाओं को 500 रुपये अधिक देने का एलान किया है। यानि एससी वर्ग कि महिलाओं को 1500 रुपये मिलेंगे। पंजाब सरकार की मावां-धीयां सत्कार योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु की प्रत्येक महिला इस योजना के तहत पंजीकरण के लिए पात्र होंगी। यहां तक कि मौजूदा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं, जैसे वृद्धावस्था पेंशन या विधवाध्निराश्रित महिला पेंशन या विकलांगता पेंशन योजना के तहत पंजीकृत महिलाएं भी इस योजना के तहत पात्र होंगी।

पश्चिम एशिया में युद्ध का भारत पर क्या असर

तेल-गैस के लिए क्या कदम उठाए गए, संघर्ष में अब तक क्या रही भूमिका?

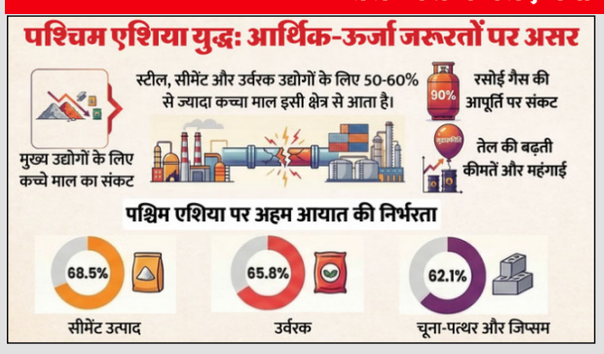

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। पश्चिम एशिया में संघर्ष से भारत के कौन-कौन से क्षेत्र प्रभावित हुए हैं? भारत ने इन प्रभावों को देखते हुए अब तक समस्याओं से निपटने के लिए क्या कदम उठाए हैं? अमेरिका-इस्राइल के ईरान से युद्ध में अब तक उसकी क्या भूमिका रही है? आइये जानते हैं... इस्राइल-अमेरिका की तरफ से ईरान पर हमला बोले जाने के बाद से ही पश्चिम एशिया में स्थितियां नाजुक बनी हुई हैं। इस पूरे घटनाक्रम में 4 मार्च (बुधवार) को एक बड़ा मोड़ तब आया, जब अमेरिकी सबमरीन ने हिंद महासागर में ईरान के एक युद्धपोत पर टॉरपीडो से हमला कर दिया और उसे डुबा दिया। इस घटना के चलते संघर्ष का दायरा दक्षिण एशिया तक पहुंच गया, जो कि आमतौर पर पश्चिम एशिया में हुए पिछले सभी संघर्षों से अछूता रहा था। इस घटना ने भारत को भी प्रभावित किया है और भारतीय नौसेना को मामले में बयान जारी करना पड़ा। ऐसे में यह जानना अहम है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से भारत के कौन-कौन से क्षेत्र प्रभावित हुए हैं? भारत ने इन प्रभावों को देखते हुए अब तक समस्याओं से निपटने के लिए क्या कदम उठाए हैं? अमेरिका-इस्राइल के ईरान से युद्ध में अब तक उसकी क्या भूमिका रही है? आइये जानते हैं...

पश्चिम एशिया में युद्ध से भारत पर असर क्यों?

इस्राइल और अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद तेहरान की तरफ से भी पलटवार किया गया। ईरान ने इस्राइल के साथ-साथ पश्चिम एशिया में उन सभी देशों को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। इनमें संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, बहरीन, सऊदी समेत कई देश शामिल हैं।

इस संघर्ष के दौरान ईरान ने न सिर्फ सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागीं, बल्कि ड्रोन्स के जरिए इन देशों में मौजूद तेल रिफाइनरियों, गैस उत्पादन प्लांट्स और समुद्र में आवाजाही के लिए इस्तेमाल होने वाले तेल टैंकरों को भी तबाह किया गया। नतीजतन यूरोप से लेकर भारत-चीन समेत एशिया के बड़े देशों में ऊर्जा संकट पैदा हुआ है। कतर, सऊदी समेत कई देशों ने अपने तेल-गैस के भंडारों पर हमला होने की वजह से इनका संचालन ठीक ढंग से न हो पाने का हवाला दिया है।

चांसलर कप इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में एसजीपीजीआई का शानदार कब्ज़ा

➡ फाइनल में भाषा विश्वविद्यालय को 4 विकेट से हराकर जीता खिताब

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। एसजीपीजीआई की क्रिकेट टीम ने चांसलर कप इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की टीम को 4 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। यह टूर्नामेंट 28 फरवरी से 8 मार्च 2026 के बीच जनभवन के खेल मैदान में आयोजित किया गया, जिसमें डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी और जनभवन ने मुख्य रूप से आयोजन किया। प्रतियोगिता में लखनऊ के आठ विश्वविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले में एसजीपीजीआई के निदेशक पद्मश्री प्रो. राधा कृष्ण धीमन के नेतृत्व में टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भाषा विश्वविद्यालय की टीम 12 ओवर में 80 रन ही बना सकी। 81 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसजीपीजीआई की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन प्लेयर ऑफ द मैच पवन पाल और प्रवीण की संयमित बल्लेबाजी ने मैच का रुख बदल दिया। दोनों खिलाड़ियों की शानदार साझेदारी की बदौलत एसजीपीजीआई ने 15 गेंद शेष रहते ही जीत हासिल कर ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। टूर्नामेंट में एसजीपीजीआई की टीम पूरे समय शानदार फॉर्म में रही और अपने सभी मुकाबले जीतते हुए फाइनल तक पहुंची। इस अवसर पर शाम को जनभवन की टीम और एसजीपीजीआई के विजेता खिलाड़ियों के बीच एक मैत्री मैच भी खेला गया। बेहद रोमांचक मुकाबले में एसजीपीजीआई की टीम ने आखिरी ओवर की अंतिम गेंद पर जीत दर्ज कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। यह जीत न केवल संस्थान के खिलाड़ियों के खेल कौशल का प्रमाण है, बल्कि टीम भावना और नेतृत्व का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

एमबीबीएस करने पर मिलीं बधाइयां,लोगों ने कहा क्षेत्र का नाम किया रोशन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

पटियाली। थाना क्षेत्र के गांव रुस्तमपुर निवासी डॉ बनवारी लाल शाक्य के बेटे सम्यक शाक्य ने [illegible] करके गांव ही नहीं क्षेत्र का नाम रोशन किया है आपको बता दें कि सम्यक शाक्य के पिताजी डॉक्टर बनवारी लाल शाक्य वर्तमान में दिल्ली रहते हैं जिनके बेटे ने एमबीबीएस करके अपने परिवार ही नहीं गांव व क्षेत्र का नाम रोशन किया है शनिवार को सम्यक शाक्य अपने पैतृक गांव रुस्तमपुर में पहुंचे तो गांव व क्षेत्र वासियों के लोगों ने सम्यक शाक्य को बधाई और शुभकामनाएं दी शुभकामनाएं देने वाले श्री रतीराम शाक्य, निहाल सिंह शाक्य, भरतसिंह शाक्य प्रधान रमपुरा, कश्मीर सिंह गौतम एडवोकेट,अंकज सिंह सोलंकी, मोहित सिंह गौर, और धर्वेंद्र सूर्यवंशी जिला पंचायत सदस्य उम्मीदवार वार्ड नंबर 3,सत्यभान सिंह शाक्य उर्फ सतन भैया , सत्यपाल सिंह शाक्य सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जग को जीवन देने वाली कोमल है कमजोर नहीं-बी.एस.ए.

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

कासगंज। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के प्रति सम्मानित शब्दावली का प्रयोग करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने अपने वक्तव्य में सम्मान करते हुए कहा ऋजग को जीवन देने वाली,मौत भी तुझसे हारी है,कोमल है तू कमजोर नहीं,शक्ति का नाम ही नारी है ऋ आपको बता दें जनपद के परिषदीय स्कूलों की दिशा और दशा को मजबूती प्रदान करने वाले जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह परिषदीय स्कूलों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के सम्मान में भी आगे दिखाई दिए साथ ही साथ मां ही बच्चे की प्रथम पाठशाला होती है अपने जिक्र में इस बात का भी फिक्र किया तथा महिला सम्मान के प्रति लोगों को जागरूकता भरा संदेश दिया।

माथुरवैश्य शाखा सभा वाराणसी का होली मिलन समारोह सम्पन्न।

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। माथुरवैश्य शाखा सभा वाराणसी द्वारा वर्ष 2026 का होली मिलन समारोह रविवार (8 मार्च) को सायं 4 बजे से कन्हैया लाल गुप्ता स्मृति भवन, रथयात्रा में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशोक कुमार गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि सुनील गुप्ता रहे। अतिथि मंडल प्रमुख एवं निवर्तमान महिला मंडल अध्यक्ष शालिनी सुनील गुप्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापक सदस्य गनेसी लाल, हरसहाय एवं गणेश भगवान के समक्ष दीप प्रज्वलित कर ईश वंदना के साथ किया गया। संस्था के शहर अध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता (विशेश्वरगंज) ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और स्मृति-चिह्न भेंट किया। इसके बाद आर्केस्ट्रा और संगीतकारों द्वारा प्रस्तुत होली गीतों और फिल्मी गीतों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में गुलाब, केसर और मेवा से युक्त ठंडाई ने भी समां बांध दिया। इस दौरान माथुरवैश्य शाखा सभा के पदाधिकारियों, संरक्षण मंडल एवं कार्यकारिणी के सदस्यों को मोतियों की माला पहनाकर सम्मानित किया गया। साथ ही महिला मंडल और सेवा दल के पदाधिकारियों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनील गुप्ता, संजय गुप्ता (पार्वती नगर), सुबोध गुप्ता और अजय गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। रंगारंग कार्यक्रम और ठंडाई के साथ गुलाब की पंखुड़ियों से होली खेली गई, जिसमें लगभग 300 लोगों ने भागीदारी की। कार्यक्रम में दिलीप गुप्ता, कुलदीप गुप्ता, सुमित गुप्ता, उमेश गुप्ता (कोष निरीक्षक), गौरव गुप्ता (उपमंत्री), राकेश गुप्ता (कोषाध्यक्ष), अंजय गुप्ता (उपाध्यक्ष), स्मिता गुप्ता (अध्यक्ष महिला मंडल), अलका गुप्ता, संगीता गुप्ता, पायल गुप्ता, रेखा गुप्ता, राजीव गुप्ता, राजेश गुप्ता (मुगलसराय) एवं विवेक सोनी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के महामंत्री मयंक सोनी ने किया। अंत में सभी को स्वरुचि भोज के लिए आमंत्रित करते हुए राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

हंसराजपुर गांव को मिला 'शहीद ग्राम' का दर्जा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। जनपद अयोध्या के मवई विकास खंड की ग्राम पंचायत हंसराजपुर को अब 'शहीद ग्राम' के रूप में नई पहचान मिल गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गांव के वीर सपूत शहीद देवेश सिंह के सर्वोच्च बलिदान को सम्मान देते हुए यह घोषणा की है। इस निर्णय के बाद पूरे क्षेत्र में गर्व और भावुकता का माहौल है, वहीं ग्रामीणों ने इसे गांव के लिए सम्मान की बात बताया है। मुख्यमंत्री ने शहीद देवेश सिंह के परिवार के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की हैं। सरकार की ओर से शहीद के आश्रित को 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही शहीद के परिवार के एक योग्य सदस्य को सरकारी सेवा में समायोजित करने का भी निर्णय लिया गया है, ताकि परिवार को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा मिल सके। सरकार ने यह भी तय किया है कि ग्राम पंचायत हंसराजपुर,विकास खंड मवई की एक प्रमुख सड़क का नाम शहीद देवेश सिंह के नाम पर रखा जाएगा। इसके लिए परिजनों से परामर्श किया जाएगा। साथ ही गांव में शहीद की स्मृति को हमेशा जीवित रखने के लिए एक भव्य शहीद स्मारक का निर्माण भी कराया जाएगा। शहीद देवेश सिंह पिछले करीब आठ वर्षों से भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे रहे थे। उनकी तैनाती जम्मू-कश्मीर के लेह-लद्दाख क्षेत्र में थी। ड्यूटी के दौरान उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई थी। बताया गया कि उनके पैर में फोड़ा हो गया था, जिसका इलाज पहले कमांड अस्पताल में कराया गया था। स्वास्थ्य स्थिति गंभीर होने पर सेना के अधिकारियों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए एम्स दिल्ली में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान 22 फरवरी 2026 को उनका निधन हो गया। उनके पार्थिव शरीर को 24 फरवरी को उनके पैतृक गांव हंसराजपुर बिशेन लाया गया, जहां सैन्य और राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान जिले के कई जनप्रतिनिधि,प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। शहीद देवेश सिंह अपने परिवार में तीन बहनों के इकलौते भाई थे और उनकी शादी नहीं हुई थी। गांव और जिले के लोगों ने उनके बलिदान को हमेशा याद रखने का संकल्प लिया है।

एसजीपीजीआई में उत्साह से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

➡"Give to Gain" थीम के साथ समानता और महिला सशक्तिकरण का सशक्त संदेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ।एसजीपीजीआई में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 उत्साह, गरिमा और प्रेरणा के माहौल में मनाया गया। 8 मार्च को एच. जी. खुराना सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का संयोजन जनरल अस्पताल की वरिष्ठ चिकित्सक एवं नोडल अधिकारी डॉ. प्रेरणा कपूर ने किया। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और पेशेवर अवसरों पर केंद्रित कई प्रेरक संक्षिप्त वार्ताएँ आयोजित की गईं। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अंजू रानी, वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पियाली भट्टाचार्य, डॉ. निधि, डॉ. इंदु लता और नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रचना अग्रवाल ने अपने विचार साझा करते हुए ज्ञान, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच और अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में जूनियर रेजिडेंट्स द्वारा आयोजित महिला-केंद्रित प्रश्नोत्तरी ने माहौल को रोचक बना दिया। इसमें विज्ञान, चिकित्सा, नर्सिंग और विश्व इतिहास में महिलाओं की उपलब्धियों से जुड़े प्रश्न शामिल थे। वहीं वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों ने कविताओं और अनुभवों के माध्यम से पेशेवर जिम्मेदारियों और पारिवारिक जीवन के संतुलन की अपनी प्रेरक यात्राएं साझा कीं। समारोह का सबसे भावुक क्षण अस्पताल की महिला सफाईकर्मियों और परिचारिकाओं का सम्मान रहा। स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था की इस महत्वपूर्ण कड़ी के समर्पण और कठिन परिश्रम को सराहा गया। इसी क्रम में रेडियोडायग्नोसिस विभाग ने 1 मार्च को इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी पर आयोजित सीएमई कार्यक्रम के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। ÷त्द्ध1द्ग ह्लश त्ड्डद्बठ्ठ÷ थीम पर केंद्रित इस आयोजन में महिलाओं को अवसर, मार्गदर्शन और समानता प्रदान करने के महत्व पर बल दिया गया। प्रो. अर्चना गुप्ता ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल उत्सव नहीं बल्कि समानता और अधिकारों के लिए कार्रवाई का आह्वान है। उन्होंने सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं, शीघ्र निदान और उन्नत रेडियोलॉजिकल सुविधाओं के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने में चिकित्सा समुदाय की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. गुप्ता के नेतृत्व में सभी प्रतिभागियों ने समानता को बढ़ावा देने, महिला नेतृत्व का समर्थन करने और हर प्रकार के भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने की सामूहिक प्रतिज्ञा ली। उन्होंने अपने संबोधन का समापन करते हुए कहा, ÷जब हम ज्ञान, अवसर और सहयोग प्रदान करते हैं, तो एक मजबूत और अधिक समावेशी समाज का निर्माण होता है।÷

महिला दिवस पर बृज की रसोई ने परोसा सेवा का स्वाद इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी की पहल-सैकड़ों जरूरतमंद बच्चों, महिलाओं व बुजुर्गों को कराया गया सम्मानपूर्वक नि:शुल्क भोजन- बलवंत सिंह

❑ बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को परोसा गया स्वादिष्ट नि:शुल्क भोजन- इंद्रमीत सिंह ❑ संस्था का संकल्प- कोई भी भूखा न सोए - जालिम सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। प्रेरणाश्रोत बाबा नीम करौली जी की कृपा से इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी द्वारा संचालित सेवा प्रकल्प बृज की रसोई के तत्वावधान में रविवार को आशियाना के चिन्हित क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं रंग पंचमी के अवसर पर अकिंचन, असहाय, श्रमजीवी, कर्मकार एवं निराश्रितों—विशेषकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए नि:शुल्क भोजन वितरण सेवा का आयोजन बड़े ही सेवा भाव और गरिमा के साथ किया गया। विकास पाण्डेय ने अवगत कराया कि कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों जरूरतमंदों को स्वादिष्ट भोजन सम्मानपूर्वक परोसा गया। संजय श्रीवास्तव ने बताया कि स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों ने पूरे समर्पण और आत्मीयता के साथ भोजन वितरण कर मानवता और करुणा का संदेश दिया। संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने बताया कि बृज की रसोई का उद्देश्य समाज के वंचित लोगों तक भोजन और सम्मान पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि संस्था का संकल्प है कि कोई भी भूखा न सोए। महिला दिवस के अवसर पर उन्होंने सभी माताओं और बहनों के त्याग, साहस और ममता को नमन करते हुए उन्हें सादर प्रणाम किया तथा समाज निर्माण में उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। जालिम सिंह ने कहा सेवा का सबसे बड़ा अर्थ है किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना। बृज की रसोई उसी भावना से लगातार समाज के वंचित वर्ग तक भोजन और सम्मान पहुंचाने का प्रयास कर रही है। देवांश रस्तोगी ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित सहयोगियों ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर सहयोग देने का संकल्प लिया। इंद्रमीत सिंह ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में जालिम सिंह, देवांश रस्तोगी, राजीव पाण्डेय, संजय श्रीवास्तव, बलवंत सिंह, अर्पित रावत, विकास पाण्डेय, मुकेश कनौजिया, हरप्रीत कौर सहित अनेक समाजसेवियों की सक्रिय सहभागिता रही।

हिंदू शेर सेना का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा थाना बाबा बाजार,सौंपा ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। बाबा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बहापुर में प्रस्तावित बुद्ध गाथा कार्यक्रम को लेकर सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की मांग करते हुए राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के पदाधिकारियों ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम पंचायत भवानीपुर के अंतर्गत ग्राम बहापुर, तहसील रुदौली, जिला अयोध्या में दिनांक 13 मार्च 2026 से बुद्ध गाथा का आयोजन प्रस्तावित है, जिसमें कथावाचक के रूप में आर.एल. बौद्ध को आमंत्रित किया गया है। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि आर.एल. बौद्ध एक विवादित कथावाचक हैं और पूर्व में उनके कई वीडियो सोशल मीडिया व यूट्यूब पर सामने आए हैं, जिनमें कथित रूप से हिंदू देवी-देवताओं के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। ज्ञापन में थाना प्रभारी से मांग की गई कि कार्यक्रम की अनुमति निरस्त की जाए। यदि अनुमति दी जाती है तो संपूर्ण कथा की वीडियोग्राफी कराई जाए तथा कथावाचक से पहले ही शपथ पत्र लिया जाए कि वह किसी भी धर्म या देवी-देवता के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं करेंगे। इसी शर्त पर कार्यक्रम की अनुमति देने की मांग की गई है। इस दौरान राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के जिला अध्यक्ष गिरजाकांत दीक्षित, युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष शिव शंकर तिवारी, भाजपा बाबा बाजार मंडल अध्यक्ष राकेश तिवारी, राधे रमण पांडेय, एडवोकेट अनिल तिवारी, अमित तिवारी, हरि शंकर पांडेय सहित हिंदू संगठन के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दामाद,ससुर को टक्कर मारने वाला एक्सयूवी चालक गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। किसान पथ पर बृहस्पतिवार को गोपाल खेड़ा निवासी बाइक सवार ससुर मुन्नी लाल और दामाद सुशील कुमार को टक्कर मारने वाले एक्सयूवी चालक माढ़रमऊ निवासी शिवम सिंह चौहान को शुक्रवार देर रात सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी होटल संचालक है। सुशील के बेटे सोमेश ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। हादसे में सुशील और मुन्नी लाल की मौत हो गई थी। सुशील की पत्नी बबली गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। वह ट्रॉमा टू में भर्ती हैं। आरोपी चालक ने बताया कि उनके नौकर के चोटिल होने की सूचना मिली थी। उसे खोजने के लिए ही वह किसान पथ पर उल्टी दिशा में जा रहा था।

अमृत सरोवर के सामने उपेक्षा का प्रतीक बना तालाब,जीर्णोद्धार की मांग तेज

➡ तालाब के सौंदर्यीकरण से गांव की बनेगी पहचान व पर्यावरण रहेगा सुरक्षित - दानिश हुसैन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। जनपद अयोध्या के ब्लॉक मवई क्षेत्र के ग्राम पंचायत नेवरा स्थित अमृत सरोवर के ठीक सामने छोटा तालाब उपेक्षा का शिकार बना है। गाटा संख्या 572, क्षेत्रफल 51 एयर में फैला यह तालाब धीरे-धीरे अपना अस्तित्व खोता जा रहा है। चारों ओर बढ़ते अतिक्रमण और लगातार डाले जा रहे। कूड़ा-कचरे ने इसे तालाब से ज्यादा एक गंदे गड्ढे का रूप दे दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से इस तालाब के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की मांग की जा रही है,लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। सरकार जहां गांव-गांव में तालाबों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण की मंशा जाहिर कर रही है,वहीं जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट नजर आ रही है। तालाब की वर्तमान स्थिति बेहद चिंताजनक है। अतिक्रमण के कारण इसका दायरा सिमटता जा रहा है और आस पास के लोगों द्वारा फेंका जा रहा कूड़ा इसे गंदगी का अड्डा बना चुका है। दुर्गंध और मच्छरों की भरमार से आस पास रहने वाले लोगों का जीवन भी प्रभावित हो रहा है। प्रशासन की अनदेखी के चलते यह तालाब अब अवशेष मात्र बनकर रह गया है। ड्रीम प्रोजेक्ट के सामने उपेक्षा की तस्वीर सबसे हैरानी की बात यह है कि यह तालाब सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट फ्रअमृत सरोवरफ्र के ठीक सामने स्थित है। यदि इस तालाब का भी कायाकल्प कर दिया जाए तो पूरे क्षेत्र की सुंदरता और बढ़ सकती है। लेकिन वर्षों से इसकी सुध नहीं ली गई। समाजसेवी दानिश हुसैन ने शासन-प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारियों से तालाब की जमीन की पैमाइश कराकर उसकी वास्तविक सीमा तय की जाए,जिससे तालाब का तत्काल जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कराया जा सके। तालाब को अतिक्रमण मुक्त कर उसकी साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण कराया जाए,ताकि गांव की पहचान और पर्यावरण दोनों सुरक्षित रह सकें।

महिला दिवस पर मिली बड़ी अलकनंदा-भागीरथी एन्क्लेव में सड़क निर्माण शुरू - गीता देवी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। वार्ड संख्या-6 बिजली पासी प्रथम क्षेत्र के अंतर्गत औरंगाबाद खालसा स्थित अलकनंदा एस्टेट के पीछे कैलाशपुरी (खसरा संख्या-1025) में लंबे समय से जर्जर पड़ी सड़क के निर्माण का कार्य आखिरकार शुरू हो गया। भारतीय किसान यूनियन की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष गीता देवी के अथक प्रयासों और लगातार पत्राचार के बाद 8 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर सड़क निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया। स्थानीय निवासियों के अनुसार भागीरथी एन्क्लेव और अलकनंदा एस्टेट के आसपास की सड़क काफी समय से खराब हालत में थी। बरसात के दिनों में सड़क पर पानी भर जाने से लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। कई बार शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा था, जिसके बाद क्षेत्र की समाजसेवी और किसान यूनियन की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष गीता देवी ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया। गीता देवी ने सबसे पहले क्षेत्र की समस्या को लेकर मोहनलालगंज के सांसद आर.के. चौधरी को लिखित शिकायत भेजी। इसके बाद उन्होंने नगर निगम प्रशासन को भी पत्र लिखकर सड़क निर्माण की मांग उठाई। साथ ही लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल को भी इस समस्या से अवगत कराया। मामले को गंभीरता से लेते हुए सांसद आर. के. चौधरी ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर लगभग 200 मीटर पक्की सड़क बनवाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया। लगातार प्रयासों और जनहित को देखते हुए बिजनौर रोड के पास अलकनंदा-भागीरथी एन्क्लेव के अंदर जाने वाली करीब 45 मीटर सड़क के हिस्से का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। बताया जा रहा है कि इस सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति महेश चंद्र वर्मा द्वारा दी गई, जिसके बाद महिला दिवस के अवसर पर निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। सड़क निर्माण शुरू होने से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है और क्षेत्र के लोगों को अब आने-जाने में काफी राहत मिलेगी। सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर गीता देवी ने महापौर सुषमा खर्कवाल, सांसद आर. के. चौधरी और नगर निगम प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सड़क बनने से भागीरथी एन्क्लेव और आसपास के मोहल्लों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। स्थानीय निवासियों का कहना है कि लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होने से अब क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सुरक्षा को लेकर आप महिला प्रकोष्ठ का पैदल मार्च

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के महिला प्रकोष्ठ द्वारा प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों के विरोध में रविवार को लखनऊ में मुँह पर काली पट्टी बांधकर पैदल मार्च निकाला गया। महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव के नेतृत्व में निकाले गए इस मार्च के माध्यम से प्रदेश सरकार की महिला सुरक्षा को लेकर नाकामी के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई गई और महिलाओं की सुरक्षा, त्वरित न्याय तथा अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। यह मार्च आम आदमी पार्टी के पार्टी कार्यालय से शुरू होकर मिठाई लाल चौराहा, गोमती नगर तक निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं की

सुरक्षा को लेकर सरकार के दावे पूरी तरह खोखले साबित हो चुके हैं। भाजपा सरकार का 'जीरो टॉलरेंस' का नारा केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित रह गया है। प्रदेश में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि उन्हें कानून और पुलिस का जरा भी डर नहीं रह गया है। यही वजह है कि आए दिन बेटियों और महिलाओं के साथ छेड़छाड़, दुष्कर्म, अपहरण और हत्या की भयावह घटनाएं सामने आ रही हैं। नीलम यादव ने कहा कि बुलंदशहर में शाम के समय मेले से एक किशोरी का अपहरण कर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया जाता है, श्रावस्ती में किसान नेत्री की नृशंस हत्या कर दी जाती है, लखनऊ के आलमबाग मेट्रो स्टेशन पर बहनों के साथ खुलेआम छेड़छाड़ की जाती है और विरोध करने पर उन्हें चाकू लेकर दौड़ाया जाता है। मेरठ के भावनपुर में सरेआम छेड़छाड़ और परिवार को धमकियों के कारण एक छात्रा को अपना स्कूल तक छोड़ना पड़ जाता है, वहीं बाराबंकी में एक महिला नेता की हत्या प्रदेश की कानून व्यवस्था की भयावह स्थिति को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा जरूर देती है, लेकिन हकीकत यह है कि इस सरकार में बेटियां न तो अपने घर में सुरक्षित हैं और न ही घर से बाहर निकलने पर। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि वे हत्या कर शव को टुकड़ों में काटकर जला देने जैसी जघन्य वारदातों को अंजाम दे रहे हैं और सरकार केवल रामराज्य के दावे करती फिर रही है। नीलम यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नाक के नीचे राजधानी लखनऊ में महिलाओं के साथ इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, जिससे साफ जाहिर होता है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। जब जनप्रतिनिधि और महिला नेता तक सुरक्षित नहीं हैं, तो आम महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यही भाजपा का तथाकथित महिला सुरक्षा मॉडल है? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को विज्ञापनों और बड़े-बड़े दावों से बाहर निकलकर प्रदेश की बेटियों और महिलाओं की वास्तविक सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए। सरकार को चाहिए कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों के खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे, ताकि प्रदेश की बेटियां बिना भय के घर से बाहर निकल सकें। इस मौके पर महिला प्रदेश महासचिव रेखा जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष पुष्पा, प्रदेश उपाध्यक्ष निशा, प्रदेश सचिव सरिता द्विवेदी, प्रदेश सचिव सुभाषिनी मिश्रा, प्रदेश सचिव जसमीत कौर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गुड़िया राइन, प्रदेश सचिव आज़मा परवीन, प्रदेश सचिव राजकुमारी यादव,, मिथिलेश, शशि नीतू मंजू अफसाना रीता भारती प्रेरणा सुरभि नीतू कनौजिया, चांदनी, मीरा, पूजा वर्मा, नसरीन,रेनू, रिंकू, सूर्य नंदनी आदि मौजूद रहीं।

सवर्ण हितों की रक्षा एवं उत्थान जन विश्वास पार्टी का उदय– सुशील शुक्ला

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

सरोजनीनगर। लंबे समय से एससी एसटी एक्ट, जातिगत आरक्षण और यूजीसी की लड़ाई लड़ रहे सवर्ण युवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील शुक्ला ने बताया कि 22 फरवरी 2026 को यूजीसी के विषय को लेकर अमौसी सरोजनी नगर में एक बार फिर सवर्ण युवा महासभा द्वारा विचार गोष्ठी के माध्यम से समाज को जागरुक एवं एकजुट कर सरकार से यूजीसी काले कानून को वापस लेने की मांग रखी गयी थी। विकल्प के अभाव में आज सवर्ण समाज असहाय है एवं नेतृत्व विहीन है वह चुनाव के समय मजबूरी में अपना कीमती वोट उसी पार्टी को दे आता है जो लगातार उसका अहित करती आई है! इसमें वह सभी दल शामिल है जो अब तक उत्तर प्रदेश एवं केंद्र की सत्ता में रहे हैं। 22 फरवरी 2026 को हमने सवर्ण समाज की इस मजबूरी का अब विकल्प के तौर पर एक राजनीतिक पार्टी फजन विश्वास पार्टीफ के गठन की घोषणा के साथ अंत कर दिया है। सवर्ण समाज अब अपनी फजन विश्वास पार्टीफ के साथ जुड़कर अपने सुरक्षित कल की बात कर सकते हैं। अब आपके सामने ही आपका बेटा-बेटी,

पत्नी, परिवार झूठें एससी-एसटी एक्ट में जेल नहीं जाएंगे, अब आपका बच्चा 80त से 90त लाकर भी आत्महत्या करने को मजबूर नहीं होगा और अब यूजीसी के डर से आपके बच्चे को उच्च शिक्षा से कोई षड्यंत्रकारी वंचित नहीं कर सकता! आइए आज संकल्प लेते हैं कि सुशील शुक्ला राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में गठित हो रही इस अपनी फजन विश्वास पार्टीफ को हम सवर्ण समाज के हितों की रक्षा ,सनातन की रक्षा एवं राष्ट्र निर्माण वाली पार्टी के रूप में स्वीकार करते हैं जो सवर्ण हित एवं सनातन की उन्नति के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण हेतु अग्रणी भूमिका निभाएगी। पार्टी का नाम एवं चुनाव चिन्ह भारत निर्वाचन आयोग को भेजा जा रहा है। जन विश्वास पार्टी का मुख्य उद्देश्य :- 1. सवर्ण समाज के हितों की रक्षा । 2. सनातन धर्म का उत्थान । 3. राष्ट्र निर्माण 4. समान नागरिक संहिता 5. एससी एसटी एक्ट एवं जातिगत आरक्षण को पूर्णत- समाप्त करना। प्रमुख रूप से है। हम जनहित से जुड़े हुए तमाम विषयों के साथ फजन विश्वास पार्टीफ का गठन कर रहे हैं। इसके विषय में हम आगे अपनी सभाओं और अन्य पत्रको के माध्यम से आपसे संवाद स्थापित करते रहेंगे और आपके महत्वपूर्ण विषयों को उठाते रहेंगे।

वृन्दावन पब्लिक स्कूल का वार्षिक उत्सव भव्यता और उत्साह के साथ सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। पीजीआई क्षेत्र के वृन्दावन पब्लिक स्कूल बिरूरा, लखनऊ का वार्षिक उत्सव बड़े उत्साह और भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए जितेन्द्र बहादुर सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद,पूर्व आईएएस डॉ अशोक चन्द्र इंजीनियर मनोज यादव तथा कृष्णा पब्लिक स्कूल के प्रबंधक एल.एम. यादव उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों को माला पहनाकर, अंगवस्त्र, पुष्प गुच्छ तथा तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और अभिभावकों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने सामाजिक, नैतिक और प्रेरणात्मक संदेशों से भरपूर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। ओल्ड एज होम विषय पर आधारित नाटक को दर्शकों ने विशेष सराहना दी, जिसने माता-पिता के सम्मान और सेवा का महत्वपूर्ण संदेश दिया। मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उनके उवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के प्रबंधक नीरज यादव के निर्देशन में हुआ, जबकि अंत में प्रधानाचार्य ने सभी अतिथियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया इसी क्रम में शिव मंगल यादव ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

होली महोत्सव एवं विश्व महिला दिवस पर मूलसमाज के कश्यप निषाद गोंड समाज ने अपने पारंपरिक सांस्कृतिक हुड़ुका नृत्य एवं संगीत का आनंद लिया।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। हिंदी मीडिया सभागार, लखनऊ में होली महोत्सव एवं विश्व महिला दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ सामाजिक परिचय का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारी समाज सेविका गुंजन शर्मा, कानपुर से पधारी विशिष्ट अतिथि रेखा गोंड, सीतापुर से नीलम गोंड, छाया प्रसाद, नीतू सिंह कश्यप आदि ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में छट्टू धुरिया के दल द्वारा बहु प्रचलित लोक विरासत का प्रतीक हुड़ुका नृत्य प्रस्तुत किया गया। सोनभद्र से आय लोक भोजपुरी गायक मुनेश्वर देवगन ने मनमोहक लोक गीतों द्वारा उपस्थित जन समूह अपनी कला की ओर आकर्षित कराकर मनमोह लिया। प्रविका गोंड ने %जा रे हट नटखट न खोल मेरा घुघट% पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम आयोजक एवं संस्था के अध्यक्ष सतीश कुमार कश्यप ने कहा कि राष्ट्र के निमार्ण मे कहार निषाद गोंड मूल आदिवासी समाज का बड़ा योगदान रहा है। अपनी लोक संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति समाज के लोगों की बढ़ती रुचि इस बात का प्रमाण है कि परंपरा और आधुनिकता में कोई टकराव नहीं है। मुझे विश्वास है कि आनेवाली पीढ़ी के युवाजन इस चेतना के प्रेरक बनेंगे। बल्कि अपनी संस्कृति और परंपराओं के

पोषण व संवर्धन में भी अहम भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर सीता राम कश्यप पूर्व अध्यक्ष राज्य ललित कला अकादमी उ.प्र., बाराबंकी से गया प्रसाद धुरिया, पूर्व पुलिस अधीक्षक, दयाराम सिंह गौड़, सीतापुर से बिंद्रा प्रसाद धुरिया, बस्ती से राजेंद्र गोंड, लाल जी धुरिया सहित तमाम समाज सेवी चिंतक आदि द्वारा भाग लेकर सामाजिक एकता समस्याओं के निराकरण पर विचार विमर्श किया। मुख्य अथिति गुंजन शर्मा ने कश्यप निषाद गोंड में समन्वय के लिए किए संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की भूर भूर प्रशंसा की। छाया प्रसाद ने कहा समाज के बदलाव का अर्थ समाज की संरचना, रूढ़िवादी परंपराओं और सोच के साथ सकारात्मक परिवर्तन है। शिक्षा और महिलाओं का शशक्तिकारण समाज की प्रगति का प्रमुख कारक है जो समाज को आधुनिक बनाता है। गया प्रसाद धुरिया ने अवगत कराया की गोंड की छूटी हुई पर्याय कहार बाथम सुरहैया रैकवार धीवर गोडिया को अनुसूचित जन जाति का दर्जा दिए जाने हेतु मुख्यमंत्री उ.प्र.को प्रतिवेदन दिया गया है। कानपुर से पधारी रेखा गोंड ने बताया कि हमारे समाज का कोई सामाजिक, राजनैतिक संगठन नही है जो पूरे इस समाज को एक मंच पर एकत्र कर सके मूलवासी कश्यप निषाद गोंड जन उत्थान समिति से आशा जरूर दिखती है। संस्था की सचिव पुष्पा रानी गोंड ने अपने संबोधन में कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य देशभक्ति, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना है इसके तहत संस्था समय समय पर आयोजन करती रहती है। लोक परंपरा हुड़ुका लोककला गांव की गलियों से निकाल कर देश के प्रतिष्ठित मंचों तक पहुंचना हमारा उद्देश्य है, क्योंकि लोक संस्कृति समाज का मजबूत आधार होती है। समय की अवश्यकता को देखते हुवे कश्यप निषाद गोंड समुदाय को एक मंच पर एकत्र होकर अपनी मूलभूत समस्याओं के लिए आत्ममंथन और आत्म चिंतन करना चाहिए। दयाराम सिंह गोंड ने कहा कि हमे अपने परंपरागत रीतरिवाजो और संस्कृति को नही छोड़ना है यदि हमने अपनी संस्कृति से छेड़ छाड़ की तो हमारे आरक्षण पर ग्रहण लग सकता है। कार्यक्रम का कुशल संचालन राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता रोहित कश्यप द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक इं.एस एन कश्यप, संस्था के मानवेंद्र गोंड, राजीव रतन चंद्र, इंद्राशन प्रसाद गोंड, सुधीर कुमार केवट, अवधेश कश्यप, अनिरुद्ध गोंड, देवेंद्र सिंह कश्यप, विश्व नाथ निषाद, विक्रम कश्यप, सत्यनाम निषाद, नीतू सिंह कश्यप, आर डी प्रसाद, के पी गौड़ आदि समाज सेवी गण उपस्थित रहे।

समाचार

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गोमतीनगर स्थित दयाल गेटवे ऑडिटोरियम, किसान बाजार में महिला शक्ति प्रगति एवं आत्मसम्मान से समानता का आयोजन किया गया।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। कार्यक्रम के दौरान महिला शक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली युवतियों को किया गया सम्मानित । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा और समाज में उनकी बढ़ती भागीदारी पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और सरकार भी उनके उत्थान के लिए लगातार प्रयास कर रही है। साथ ही उन्होंने युवतियों को आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रदर्शन के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां हुई बेकाबू,विधानसभा घेराव के लिए किया कूच

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। लखनऊ स्थित धरना स्थल ईको गार्डेन में प्रांगण में रविवार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रदेश भर भारी संख्या में एकजुट आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने मानदेय बढ़ोत्तरी की मांग को लेकर विशाल धरना प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। काफी देर बाद भी जब शासन का कोई सक्षम अधिकारी ज्ञापन लेने नहीं पहुंचा तो प्रदर्शनकारी महिलाओं के सब्र का बांध टूट गए और भारी संख्या में महिलाओं ने विधानसभा के लिए कूच कर दिया। पुलिस ने धरना स्थल का मुख्य द्वार बंद कर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया लेकिन पुलिस का प्रयास विफल साबित रहा और प्रदर्शनकारी महिलाएं धरना स्थल के बाहर सड़कों पर निकल गई और करीब एक किलोमीटर तक नारेबाजी करते हुए कुच कर गई । मौके पर पहुंचे एसीपी कैंट अभय मल्ल ने प्रदर्शनकारी महिलाओं को समझाने का प्रयास किया लेकिन प्रोटेस्ट कर रही महिलाएं मुख्यमंत्री से मुलाकात पर अड़ी रही और सड़क पर ही बैठ सड़क जाम का प्रयास करने लगी यह नजारा देख पुलिस के पसीने छूट गए और ऊंच अधिकारीयों को स्थिति से अवगत करा इस प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही प्रदेश अध्यक्ष नीलम पांडेय,संयुक्त मंत्री अंजनी मौर्या समेत तीन अन्य सदस्यों को अपनी गाड़ी से मुख्यमंत्री मुलाकात के लिए भेजा गया।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से विधि छात्र घायल, चार युवकों पर एफआईआर दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आशियाना। आशियाना थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक विधि छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने कार चालक समेत चार अज्ञात युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। कृष्णानगर कोतवाली क्षेत्र के आशुतोष नगर निवासी मुदित कुमार सिंह पुत्र मनीष कुमार सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का चतुर्थ वर्ष का विधि छात्र है। बीते 26 फरवरी की रात वह अपने वैध दस्तावेजों के साथ अपनी डैटसन गो प्लस कार संख्या यूपी-32 एलएल 0065 से विश्वविद्यालय परिसर स्थित पार्किंग की ओर जा रहा था। आरोप है कि मुख्य द्वार के पास वह बेहद धीमी गति से सावधानीपूर्वक वाहन मोड़ रहा था, तभी तेज रफ्तार से आई टियागो ईवी कार संख्या यूपी-32 एनडब्ल्यू 2025 ने उसकी कार में सीधी टक्कर मार दी। जिसे उसके मित्रों और अन्य प्रत्यक्षदर्शियों ने देखा कि टियागो कार में चार युवक सवार थे, जो नशे की हालत में थे। दुर्घटना के बाद वे मौके पर हंगामा करने लगे और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए घटनास्थल से फरार हो गए। वही पीड़ित का कहना था उक्त कार की टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसके सिर में गंभीर चोट आ गई। उसे तुरंत नजदीकी लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया गया जहां डाक्टरों ने उसके सिर में टांके लगाए गए। बाद में हालत को देखते हुए उसे अपोलो मेडिक्स अस्पताल ले जाया गया, जहां सीटी स्कैन समेत अन्य चिकित्सीय जांच और उपचार कराया गया। पीड़ित का कहना है कि दुर्घटना की पूरी घटना विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद है। इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी हादसे से जुड़े वीडियो उपलब्ध हैं, जिन्हें उसने साक्ष्य के रूप में पेन ड्राइव में संकलित कर पुलिस को उपलब्ध कराया है। आशियाना थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर आरोपितों की पहचान कर तलाश की जा रही है।

फर्जी रजिस्ट्री के सहारे प्लॉट पर कब्जे का प्रयास, तीन के खिलाफ दर्ज रिपोर्ट

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। कृष्णानगर कोतवाली इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने फर्जी रजिस्ट्री के आधार पर उसके प्लॉट पर कब्जा करने का आरोप लगा तीन लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। आलमबाग कोतवाली प्रभारी रामबाबू सिंह ने बताया थाना क्षेत्र स्थित डीजल शेड रोड निवासी आर्यन सिंह पुत्र राजकुमार सिंह के अनुसार उन्होंने ग्राम अलीनगर सुनहरा, वार्ड व तहसील सरोजनीनगर स्थित खसरा संख्या 383 का मिनजुमला रकबा 2000 वर्गफुट का भूखंड भावना पाण्डेय पत्नी अनिल कुमार पाण्डेय से खरीदा था। आरोप है कि उक्त रजिस्ट्री उपनिबंधक सरोजनीनगर द्वितीय, लखनऊ के कार्यालय में बही संख्या 1, जिल्द संख्या 1543 के पृष्ठ 291 से 310 तक क्रमांक 16175 पर बीते 7 अगस्त 25 को पंजीकृत है। वही पीड़ित का कहना था 3 सितंबर 25 को गीता तिवारी पत्नी दिनेश चन्द्र तिवारी निवासी सूर्यनगर, राजाजीपुरम थाना तालकटोरा अपने पति दिनेश चन्द्र तिवारी और प्रमोद तिवारी के साथ उनके उक्त प्लॉट पर पहुंचीं और निर्माण कार्य रुकवा दिया।

कार्यस्थलों को महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित और समावेशी बनाएं– मंजुलता राव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सन्त रविदास ज्ञान विहार कल्ली पश्चिम में एक गोष्ठी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा में महिलाओं के योगदान पर चर्चा की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता मंजुलता राव ने किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं स्वास्थ्य सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं, लेकिन उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो फ्लोरेंस नाइटिंगेल से लेकर आनंदीबाई जोशी तक, महिलाओं ने स्वास्थ्य सेवाओं की नींव रखने और उसे मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभाई है महिलाए स्वास्थ्य सेवा में भी अग्रणी भूमिका रही है। आज चिकित्सा जगत का कोई भी कोना ऐसा नहीं है जहाँ महिलाओं ने अपनी छाप न छोड़ी हो। नर्सिंग और पैरामेडिकल- अग्रिम पंक्ति पर तैनात नर्सें और मिडवाइव्स स्वास्थ्य तंत्र की असली ताकत हैं।

उनकी संवेदनशीलता रोगियों के उपचार में दवा जितनी ही प्रभावी होती है। डॉक्टर्स और सर्जन- जटिल सर्जरी से लेकर महामारी विज्ञान के शोध तक, महिला डॉक्टर आज नेतृत्वकारी भूमिकाओं में हैं। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता- ग्रामीण भारत में जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और टीकाकरण अभियानों को सफल बनाने में इन महिलाओं का योगदान अतुलनीय है। डिजिटल स्वास्थ्य और नवाचार (2026 का परिदृश्य) आज के आधुनिक युग में महिलाएँ डिजिटल हेल्थ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार कर रही हैं। टेली-मेडिसिन के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाने में महिला विशेषज्ञों की भूमिका ने स्वास्थ्य सेवाओं का लोकतंत्रीकरण किया है। उन्होंने कहा महिला दिवस पर केवल बधाई देना पर्याप्त नहीं है। एक समाज के रूप में हमारा कर्तव्य है कि हम कार्यस्थलों को महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित और समावेशी बनाएँ। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियों को अधिक छात्रवृत्तियाँ और संसाधन उपलब्ध कराएँ। उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दें, क्योंकि दूसरों का ख्याल रखने वाली इन हीरोज़ को भी देखभाल की जरूरत है। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन बीर बहादुर बौद्ध संयुक्त सचिव सन्त रविदास ज्ञान विहार, कार्यक्रम की अध्यक्षता मंजुलता राव सीनियर मेडिकल ऑफिसर इमर्जेंसी विभाग संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ ने किया। उक्त में प्रमुख रूप से सरिता यादव सीनियर मेडिकल ऑफिसर, सीमा, मालती, चांदनी, प्रियंका गौतम, आरती वर्मा, प्रियंका भारती, नीरज कुमार निर्मल, विजय बहादुर, सुरेश चंद्र, मनोज कुमार वर्मा, शेर बहादुर गौतम, ललित कुमार मोगा, ओम प्रकाश, चन्दन कुमार, उदय राज अध्यक्ष सन्त रविदास ज्ञान विहार समिति अमर नाथ (उपज), ओम प्रकाश सामाजिक कार्यकर्ता, चन्दन कुमार, बुद्धसेन गौतम आदि ने भाग लिया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में 'अस्मिता लीग' का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

सरोजनीनगर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर MYBharat लखनऊ एवं Sports Authority of India (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) तथा खेल विभाग उत्तर प्रदेश के सहयोग से के. डी. सिंह बाबू स्टेडियम में 'अस्मिता लीग' का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 1000 से अधिक महिला खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान रहे। विशिष्ट अतिथियों में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अतुल सिन्हा, दुर्गेश त्रिपाठी, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अवधेश कुमार, अजित कुमार, अनन्या पांडे, पूर्व चैंपियन एवं हॉकी कोच ऋषि कुमार तथा उपनिदेशक विकास सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए आयोजन की सराहना की। प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 18 वर्ष से ऊपर 400 मीटर दौड़ में नेहा प्रथम रहीं, जबकि अंडर-18 वर्ग में अर्शी ने बाजी मारी। 100 मीटर व 200 मीटर स्पर्धाओं में भी विभिन्न आयु वर्गों की प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन कर पुरस्कार प्राप्त किए। विशेष महिला प्रतियोगिता में बबीता प्रथम स्थान पर रहीं। मुख्य अतिथि पवन सिंह चौहान ने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है और ऐसे आयोजन महिला प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में खिलाड़ियों, कोचों और आयोजकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बाल विवाह के खिलाफ तीन चरणों में चले अभियान में धर्मगुरुओं, छात्रों, पंचायतों व वैवाहिक समारोह में सेवाएं देने वालो को जोड़ा– पूनम तिवारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भारत सरकार के केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की पहल पर चले 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान के तहत जिले के गांवों व कस्बों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहे 'बाल विवाह मुक्ति रथ' की यात्रा का समापन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के समापन अवसर पर एक कार्यक्रम में संवाद सामाजिक संस्थान की कार्यकारी निदेशक पूनम तिवारी ने कहा कि हमारे प्रयासों को मिली प्रतिक्रिया से हम आश्वस्त हैं कि बाल विवाह मुक्त लखनऊ और बाल विवाह मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करते के बेहद करीब हैं। संवाद सामाजिक संस्थान बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए जमीन पर काम कर रहे 250 से भी ज्यादा नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। जिले में बाल विवाह मुक्ति रथ को क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों एवं जनपद स्तर के अधिकारियों ने हस्ताक्षर कर बाल विवाह मुक्त जनपद प्रतापगढ के अभियान को पूर्ण समर्थन दिया। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के साल भर पूरा होने के अवसर पर भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने चार दिसंबर, 2025 को देशव्यापी 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान का एलान किया था। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोगी संगठनों ने इस

अभियान की मोर्चे से अगुआई करते हुए देश के 439 जिलों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता का संदेश देने के लिए 'बाल विवाह मुक्ति रथ' निकाले। इस रथ ने जिले के तमाम गांवों और कस्बों में घूम-घूम कर लोगों को बाल विवाह के स्वास्थ्य, शिक्षा व आजीविका पर दुष्परिणामों से अवगत कराया और इसके कानूनी पहलुओं की जानकारी देते हुए समझाया कि बाल विवाह दंडनीय अपराध है। संवाद सामाजिक संस्थान के कार्यक्रम मैनेजर आलोक मिश्रा ने बताते हुए कहा कि बाल विवाह के खिलाफ इस 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान और इसके तहत निकाले गए 'बाल विवाह मुक्ति रथ' को परिवर्तनकारी बताते हुए कहा, यह कोई प्रतीकात्मक यात्रा नहीं थी। यह पहियों पर बदलाव का संदेश था जिसे लोगों ने स्वीकार किया और सराहा। संस्थान के कार्यक्रम मैनेजर विनोद कुमार ने कहा कि अब लगभग पूरी सभ्य दुनिया ने हमारी यह बात मान ली है कि बाल विवाह कोई सामाजिक कुप्रथा नहीं बल्कि विवाह की आड़ में बच्चों से बलात्कार है। यह एक अपराध है और कानूनन दंडनीय है। बाल विवाह किसी भी बच्ची के जीवन के पुष्पित-पल्लवित होने की संभावनाओं को ही खत्म कर देता है और बच्चियों को कुपोषण, अशिक्षा व गरीबी के दुष्चक्र में धकेल देता है। संवाद सामाजिक संस्थान की कार्यकारी निदेशक पूनम तिवारी ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा कि सरकार, प्रशासन व जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से यह अभियान एक व्यापक जनभागीदारी वाले जन अभियान में तब्दील हो गया। सभी के सहयोग से बाल विवाह के खात्मे के लिए कानून, सुरक्षा और जवाबदेही के संकल्प को हम जनसमुदाय तक ले गए ताकि बाल विवाह मुक्त लखनऊ का लक्ष्य वास्तविकता में बदल सके। तीन चरणों में चले इस अभियान के पहले चरण में शैक्षणिक संस्थानों व दूसरे चरण में धर्मगुरुओं को जोड़ा गया और उनसे अनुरोध किया गया कि वे विवाह संपन्न कराने से पूर्व आयु की जांच कर लें और बाल विवाह संपन्न कराने से इनकार करें। साथ ही, कैटरर्स, सजावट वालों, बैंक्वेट हाल मालिकों व विवाह में सेवाएं देने वाले बैंड वालों, घोड़ी वालों से संपर्क कर अनुरोध किया गया कि वे बाल विवाह में अपनी सेवाएं नहीं दें क्योंकि बाल विवाह में किसी भी रूप में शामिल होने या सहयोग देने पर उन्हें सजा हो सकती है। तीसरे चरण में जिले की पंचायतों में जागरूकता अभियान चलाया गया।

संपादकीय

ताकि बचे बचपन

डिजिटल क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्य कर्नाटक ने सोलह साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बचाने के लिये देश में सबसे पहले अनुकरणीय पहल की है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र के दौरान घोषणा की है कि किशोरवय अब सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। कर्नाटक की पहल के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की है कि अगले नब्बे दिनों के भीतर 13 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाएगी। इस तरह आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा सख्त फैसला लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इस प्रकार ये दो राज्य तेजी से ऑनलाइन होती दुनिया में 'किशोरों की सुरक्षा कैसे की जाए', की वैश्विक बहस में शामिल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि ऐसी पहल पहले ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस आदि देशों में हो चुकी है। हालांकि, इन राज्यों की पहल सराहनीय है, लेकिन इस प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन कैसे सुनिश्चित होगा, इसका प्रारूप अभी स्पष्ट नहीं है। दरअसल, देश-दुनिया के मनोवैज्ञानिक और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बार-बार चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। उल्लेखनीय है कि इस चिंता का जिक्र 2025-26 के केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में भी किया गया था। कर्नाटक व आंध्र प्रदेश की यह पहल तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य के प्रति एक सुरक्षात्मक दृष्टिकोण ही दर्शाती है। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इस कार्य योजना को अमलीजामा कैसे पहनाया जाएगा? यह हकीकत जानते हुए कि आज के डिजिटल युग में, स्मार्टफोन और ऐप्स शिक्षा, संचार और दैनिक जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि तमाम स्कूल असाइनमेंट और अपडेट के लिये मैसेजिंग एप्स, ऑनलाइन पोर्टल और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भरता बढ़ गई है। यही वजह है कि छात्रों द्वारा 'शैक्षिक' और 'सामाजिक' उपयोग के बीच अंतर करना मुश्किल साबित हो सकता है। वहीं चिंता की बात यह भी कि किशोरों की आयु का सत्यापन कैसे व्यावहारिक बनाया जा सकेगा। वहीं देखना होगा कि सोशल मीडिया को संचालित करने वाली तकनीकी कंपनियां किस हद तक इस दिशा में सहयोग करेंगी। सहयोग न मिलने पर प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवालिया निशान लग सकते हैं। उन परिवारों में जहां एक ही मोबाइल फोन का परिवार के अन्य सदस्य भी उपयोग करते हैं, वहां प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवाल लग सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया ने पहले ही सोलह साल से कम उम्र के बच्चों के लिये सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लागू है। वहीं दूसरी ओर फ्रांस जैसे अन्य देश भी सख्त डिजिटल सुरक्षा नियमों को लागू करने को लेकर गंभीर हैं। इसमें दो राय नहीं कि बच्चों को बेहतर डिजिटल सुरक्षा दी जानी जरूरी है, लेकिन केवल नियमन मात्र से इस जटिल समस्या का समाधान संभव नहीं हो सकता है। इस दिशा में सार्थक परिवर्तन सरकारों, स्कूलों, तकनीकी प्लेटफॉर्मों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से अभिभावकों के बीच एक संतुलित दृष्टिकोण पर निर्भर करेगा। हालांकि, किशोरों को सोशल मीडिया की विकृतियों से बचाने के लिये तात्कालिक पहल केंद्र सरकार की तरफ से की जाती तो उसका देशव्यापी प्रभाव होता। लेकिन इसके बावजूद यदि कर्नाटक व आंध्र प्रदेश ने इस दिशा में पहल की है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि अन्य राज्य भी इससे प्रेरणा ले सकेंगे। फिर निश्चित तौर पर केंद्र सरकार को भी देश में एक केंद्रीय कानून लाने को बाध्य होना पड़ सकता है। वहीं केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर विषय विशेषज्ञों और समाज के विभिन्न वर्गों से भी राय लेनी चाहिए। ऐसे वक्त में जब बच्चों का स्क्रीन टाइम एक लत के रूप में लगातार बढ़ा है तथा उनकी एकाग्रता कम होने से पढ़ाई बाधित हो रही है, तो इस संकट का समाधान केंद्र व राज्यों की प्राथमिकता होनी चाहिए

भारत के लिए आगे राह खतरों भरी

ईरान के विरुद्ध अमरीकी-इस्राईली हमले, एक और क्षेत्रीय भड़कन होने के अलावा, यूरेशियाई भू-राजनीतिक और आर्थिक संरचना के लिए एक 'प्रणालीगत झटके' के रूप में आए हैं। नई दिल्ली के लिए, यह संकट एक 'पूर्ण तूफ़ान' की शक्ति के साथ उतरा है, जो इसकी रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक लचीलेपन की कड़ी परीक्षा ले रहा है। सबसे तात्कालिक और गहरा प्रभाव व्यापक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है, जो इसके ऊर्जा आयात की कीमत और संरचना के माध्यम से निर्देशित होता है। भारत अपने कच्चे तेल का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है, जिसका लगभग आधा ऐतिहासिक रूप से पश्चिम एशिया से प्राप्त होता है, जो इसे बेहद संवेदनशील बनाता है। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उछाल सीधे भारत के चालू खाता घाटे (कैड) को बढ़ाता और रुपए पर अवमूल्यन का दबाव डालता है, जिससे केंद्र सरकार के प्रबंधनीय राजकोषीय गणित का दायरा बढ़ जाता है। हालांकि, तेल व्यवधान का केवल आयतनात्मक विश्लेषण इसके गहरे और अधिक घातक खतरे को समझने में चूक जाता है। खतरा केवल मात्रा का नहीं बल्कि गुणवत्ता का है। ईरानी लाइट क्रूड, अपनी 33.36 डिग्री की इष्टतम ए.पी.आई. ग्रैविटी और मध्यम सल्फर सामग्री के साथ, वैश्विक रिफाइनिंग मैट्रिक्स में एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह वह आदर्श मिश्रण है, जिसके लिए वैश्विक रिफाइनरियां, विशेष रूप से डीजल और गैसोलीन जैसे मध्यम डिस्टिलेट की पैदावार को अधिकतम करने के लिए डिजाइन की गई, अनुकूलित की गई हैं। यह क्षेत्र भारतीय इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा और बासमती चावल के लिए एक बड़ा बाजार है। बढ़ते संघर्ष ने पहले ही उन समुद्री मार्गों को बाधित कर दिया है, जिनसे इस व्यापार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है। माल ढुलाई और बीमा लागत आसमान छू गई है, जिससे कई शिपमेंट अलाभकारी हो गए हैं और देरी के कारण खराब होने वाले सामान बर्बाद हो रहे हैं तथा अनुबंध की समय-सीमा का उल्लंघन हो रहा है। 'लैटर ऑफक्रैडिट' पर बातचीत करना कठिन होता जा रहा है। इसके साथ ही, खाड़ी सहयोग परिषद (जी.सी.सी.) देशों में केंद्रित छह मिलियन मजबूत भारतीय प्रवासियों से मिलने वाली 60 बिलियन डॉलर की वार्षिक प्रेषण जीवनरेखा खतरे में पड़ गई है। खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष-प्रेरित मंदी, जो तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और निवेशकों के पलायन से संचालित होगी, सीधे भारतीय प्रवासी पेशेवरों और ब्लू-कॉलर श्रमिकों के लिए नौकरियों के नुकसान और वेतन कटौती में बदल जाएगी। जी.सी.सी. का स्थिरता का मुखौटा उतर गया है, जिससे यह कठोर सुरक्षा वास्तविकता उजागर हो गई है कि उनका आथ्रिक विविधीकरण, जैसे कि मैगा-प्रोजैक्ट्स, 'नियोम' जैसे भविष्य के शहर, पर्यटन गोल्डन वीजा, एक ऐसी नींव पर बने हैं जिसे अब वैश्विक संस्थागत पूंजी द्वारा 'नंगी तलवार' के रूप में देखा जा सकता है। अमरीकी ठिकानों के पास ईरानी जवाबी हमलों ने पुष्टि की है कि जी.सी.सी. का सुरक्षा छत्र छिद्रपूर्ण है। फिर भी, खाड़ी अरब देशों को निष्क्रिय पीड़ितों के रूप में चित्रित करना कपटपूर्ण होगा। तेल अवीव के अलावा, जी.सी.सी. देश भी ईरान की परमाणु प्रगति और उसके प्रॉक्सी नैटवर्क से गहरे चिंतित थे। उनके आकलन में, ईरान के कार्यक्रम को एक निर्णायक, भले ही अस्थिर करने वाला झटका, परमाणु छाया के तहत अपनी सुरक्षा के धीरे-धीरे क्षरण से बेहतर था। जिस भी हद तक और जिस भी उद्देश्य के लिए उन्होंने सैन्य ठिकानों को आवास देकर और ओवरफ्लाइट अधिकार प्रदान करके अमरीका और उसके ईरान विरोधी अभियान को सुगम बनाया, वे उस संकट के 'सह-वास्तुकार' हैं, जो अब उनकी अर्थव्यवस्थाओं को निगलने की धमकी दे रहा है। एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से, ये हमले एक ऐसी शक्ति के कार्य हैं जो रोकने या समाधान करने की बजाय बाधित करना चाहती है। अराजकता बोकर और ईरानी प्रतिशोध की सीमा को बढ़ाकर, वाशिंगटन यह गणना कर सकता है कि यह उसके प्राथमिक प्रतिस्पर्धियों-चीन और कुछ हद तक रूस-के लिए रणनीतिक माहौल को जटिल बनाता है, जिन्होंने तेहरान के साथ अपने आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को गहरा किया है।

पश्चिम बंगाल का 2026 का बजट- ममता के उदार दोस्त क्या मानने से इंकार कर रहे हैं?

आलेख- अर्का राजपंडित, अनुवाद- संजय पराते

पश्चिम बंगाल के 2026-27 के बजट को, 'बंगाल का गौरव' नाम दिया गया है। यह बजट 4.06 लाख करोड़ रुपये का है। इस बजट का रोडमैप, एक ऐसी सरकार के पंद्रह साल पूरे होने का प्रतीक है, जिसकी सावधानीपूर्वक यह छवि बनाई गई है कि यह सरकार गरीबपरस्त है और प्रगतिशील सोच रखती है। इस बात को ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस सरकार को समर्थन करने वाले एक उदार नेटवर्क ने आगे बढ़ाया है, जो राज्य के नकद हस्तांतरण मॉडल को नव-उदारवाद के खिलाफ एक बड़ा मूलगामी विरोध बताता है। फिर भी, यह दिखावा टूट रहा है। निम्न वर्ग की जीत दिखाने के बजाय, ये कल्याणकारी कार्यक्रम सिर्फ़ ज़िंदा रहने के लिए राहत देते हैं, और एक आत्मनिर्भर उत्पादक अर्थव्यवस्था बनाने में गहरी नाकामी को छिपाते हैं। इस प्रगतिशील ब्रांडिंग का असल में मज़दूर वर्ग और किसानों की कठिनाईयों से कोई लेना-देना नहीं है। पश्चिम बंगाल के लिए 2026-27 के राजकोषीय रोडमैप से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था संरचनात्मक निर्भरता और राजकोषीय भंगुरता के चक्र में फंसी हुई है। 21.48 लाख करोड़ रूपये के जीएसडीपी के मुकाबले 2,87,792 करोड़ रूपये की कुल राजस्व प्राप्ति के अनुमान के साथ, राज्य की वित्तीय आमद स्थानीय करारोपण और केंद्रीय करों में हिस्सेदारी पर लगभग उतनी ही निर्भरता के बीच झूल रही है। यह अनुरूपता एक ठहरे हुए अंदरूनी राजस्व आधार को दिखाती है, जो स्वतंत्र रूप से अपनी परिसंपत्ति का निर्माण करने में राज्य की नाकामी को रेखांकित करता है। जबकि सरकार राजस्व घाटे में 21,759 करोड़ रूपये की नाटकीय कमी का दावा करती है, ऐसे अनुमान अक्सर कर्ज़ से संचालित राज्य होने की कड़वी सच्चाई को छिपाते हैं। बाजार से 80,445 करोड़ रूपये के चौंका देने वाले उधार का अनुमान लगाकर, प्रशासन मौजूदा कमजोरियों की भरपाई के लिए राज्य के भविष्य को गिरवी रख रहा है। राज्य सामाजिक कल्याण के कार्यों पर 1.80 लाख करोड़ रुपये (बजट का लगभग 45%) खर्च कर रहा है, जिसमें लक्ष्मीर भंडार को 15,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाना भी शामिल है, ताकि निजी श्रम बाजार की नाकामी की भरपाई के लिए सामाजिक मजदूरी दी जा सकें। नव-उदारवादी दौर में, ये सुरक्षा ज़िंदा रहने के लिए ज़रूरी हैं, लेकिन जब इसे उत्पादन की ताकतों (उद्योग और प्रौद्योगिकी) के विकास के साथ नहीं जोड़ा जाता ; तो ये गरीबी को खत्म करने के बजाय उसे प्रबंधित करने का एक तरीका बन जाती हैं। उद्योग और एमएसएमई के लिए बहुत कम आबंटन (बजट का 1% से भी कम) यह सुनिश्चित करता है कि मज़दूर वर्ग श्रम की एक आरक्षित सेना बनी रहे, जिन्हें उत्पादक रोज़गार के बजाय पलायन करने या राज्य से मिलने वाले पैसे पर गुज़ारा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। पूंजीगत व्यय के लिए 86,533 करोड़ रूपये आबंटित किए गए हैं, जो एक मज़बूत अधोसंरचना के निर्माण की योजना बनाने के लिए नाकाफी है। यह एक चूका हुआ विचार लगता है, जो बंगाल के उद्योगों और खेती-बाड़ी को बढ़ावा देने के लिए नाकाफी है, जो कि बंगाल को एक नियमित गुज़ारे लायक अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए ज़रूरी है। वह असलियत,

जिसे ममता के उदार दोस्त छिपा नहीं सकते पश्चिम बंगाल बहुत ज़्यादा आर्थिक उतार-चढ़ाव से ग्रस्त है। यह एक ऐसी कड़वी सच्चाई है, जिसे बताने में ममता बनर्जी के उदार दोस्त अक्सर नाकाम रहे हैं। 2025-26 में, राज्य की प्रति व्यक्ति आय लगभग 1,71,184 रूपये थी, जो 2.12 लाख रूपये के राष्ट्रीय औसत से लगभग 20% कम है। यह अंतर प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में पश्चिम बंगाल को भारत में 21वें स्थान पर रखता है, जिससे यह दक्षिणी और पश्चिमी भारत के औद्योगिक महाशक्तियों से काफी पीछे रह जाता है। घर-परिवारों के वित्तीय स्वास्थ्य की हालत भी उतनी ही चिंता की बात है, क्योंकि आरबीआई के हाल ही के आंकड़ों से पता चलता है कि 2019 और 2025 के बीच इस राज्य में सालाना वित्तीय देनदारी में 102% की बढ़ोतरी हुई है। इसके उलट, वित्तीय संपत्ति में सिर्फ़ 48% की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मतलब है कि हर 1 रूपये की बचत पर, कर्ज़ लगभग 2 रूपये बढ़ रहा है। यह असंतुलन इस बात से और साफ़ होता है कि पश्चिम बंगाल पर, अब देश में सबसे ज़्यादा सूक्ष्म वित्त (एमएफआई) कर्ज बकाया है। कई ग्रामीण परिवारों के लिए, बचत अब संपत्ति निर्माण के लिए नहीं है, बल्कि हर हफ़्ते या महीने में एमएफआई का पुनर्भुगतान करने के लिए होती है। स्वास्थ्य देखभाल और कर्ज तक पहुंच में संकट की वजह से कर्ज़ का यह चक्कर और बढ़ गया है। 2025-26 की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिम बंगाल में वित्तीय तनाव के सबसे ज़्यादा मामले हैं, जिससे परिवारों को हॉस्पिटल में भर्ती होने के खर्च के लिए अपनी संपत्ति बेचनी पड़ती है या भारी कर्ज़ लेना पड़ता है। नतीजतन, सोने को गिरवी रखकर कर्ज लेना (गोल्ड लोन) आखिरी उपाय से बदलकर घरेलू कर्ज़ का मुख्य चालक बन गया है ; 2025 के आखिर तक, ये ऋण साल-दर-साल 125% तक बढ़ गए हैं। यह बढ़ोतरी ज़्यादातर सोने की रिकॉर्ड ऊँची कीमतों के कारण और साथ ही सुरक्षित ऋण विकल्पों में कमी की वजह से हुई है, जिससे घरों के पास बहुत कम विकल्प बचे हैं। राज्य की औद्योगिक बुनियाद भी बहुत कमज़ोर है, यह बात ममता बनर्जी के उदार दोस्त अक्सर नज़रअंदाज़ कर देते हैं। राज्य की अर्थव्यवस्था में विनिर्माण का योगदान सिर्फ़ 18.8% ही है, जो राष्ट्रीय औद्योगिक औसत से कम है। जोर-शोर से प्रचारित 'वैश्विक व्यापार मेलों (ग्लोबल बिज़नेस समिट्स)' के बावजूद, 2019 और 2025 के बीच वास्तव में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का प्रवाह सिर्फ़ 15,256 करोड़ रूपये था, जो महाराष्ट्र या कर्नाटक जैसे राज्यों द्वारा किए गए निवेश का एक छोटा सा हिस्सा है। इसके अलावा, 2025 के उत्तरार्द्ध में पूंजीगत व्यय में 35.1% की कमी आ गई है, जो यह दिखाता है कि राज्य दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण के लिए ज़रूरी कारखानों, पुलों और बंदरगाहों पर कम खर्च कर रहा है। उच्च मजदूरी वाले औद्योगिक रोजगार के अभाव ने पश्चिम बंगाल को वास्तव में श्रम निर्यात करने वाली अर्थव्यवस्था में बदल दिया है। जबकि आधिकारिक बेरोज़गारी दर 3.6% बताई गई है, बेरोज़गारी भत्ता के लिए बांग्लार युवा साथी की मांग कुछ और ही कहानी कहती है — लगभग 27.8 लाख युवा, जिनमें से कई के पास डिग्री है, उन्हें मूल भत्ता से ज़्यादा वेतन वाला रोजगार नहीं मिल रहा है। इन भत्तों के लिए राज्य के 2026-27 के बजट में 5,000 करोड़ रूपये के आबंटन को निजी क्षेत्र में खपत की गहरी अधोसंरचनात्मक कमी के लिए मरहम-पट्टी के तौर पर देखा जाना चाहिए। ग्रामीण इलाकों में बताई जा रही 3.1% की बेरोज़गारी दर भी गुमराह करने वाली है, क्योंकि 63.2% आबादी छोटे, अलाभकारी खेती के टुकड़ों में अपना काम करती है, जो छिपी हुई बेरोज़गारी का एक शास्त्रीय मामला है। पलायन का स्तर राज्य के कार्यबल के अंदर की निराशा को दिखाता है। 2025 के अंत के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, लगभग 22.40 लाख मजदूर दूसरे राज्यों में काम कर रहे हैं, जबकि श्रमश्री योजना की रिपोर्ट के अनुसार, 31.77 लाख प्रवासी मजदूरों ने लौटकर, स्थानीय मदद पाने के लिए अपना पंजीयन कराया है। 2025 के एक अध्ययन में पाया गया है कि इनमें से 62.9% लोग सिर्फ़ बेहतर रोजगार के मौकों के लिए पलायन करते हैं, और 25% प्रवासी परिवार भेजे गए पैसे का इस्तेमाल सिर्फ़ खाने के लिए करते हैं। आजीविका के लिए यह पलायन इस बात को पुष्ट करता है कि आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए, राज्य छोड़ना ही आधारभूत पोषण की ज़रूरतों को पूरा करने का एकमात्र तरीका है -- यह बार-बार दुहराई जाने वाली एक आर्थिक नाकामी है, जिसे मौजूदा सरकार का समर्थन करने वाले लोग अनदेखा कर रहे हैं। बजट में क्या नजरअंदाज किया गया है? उद्योग और खनिज के लिए 2,842.96 करोड़ रूपये का आबंटन कुल खर्च का सिर्फ़ 0.70% है। यह बहुत कम निवेश खास तौर पर चिंता की बात है, क्योंकि राज्य अभी ज़्यादा उत्पादकता वाले विनिर्माण रोजगार की कमी से जूझ रहा है। विज्ञान, प्रोद्योगिकी और पर्यावरण के मामले में यह अनदेखी और भी साफ़ है, जिसे सिर्फ़ 155.94 करोड़ दिए गए हैं, जो कुल बजट का लगभग 0.03% है। यह बहुत कम वित्त-पोषण आधुनिक प्रौद्योगिकी में मुकाबला करने की राज्य की काबिलियत को असरदार तरीके से कम कर देती है। जहाँ वैश्विक प्रतियोगी एआई, जैव-प्रौद्योगिकी और हरित ऊर्जा में भारी निवेश कर रहे हैं, वहीं पश्चिम बंगाल का आबंटन, जिसमें से सिर्फ़ लगभग 82 करोड़ रूपये ही विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए है, यह सुनिश्चित करता है कि राज्य के सबसे तेज़ दिमाग कर्नाटक, तमिलनाडु या महाराष्ट्र जैसे ज़्यादा प्रौद्योगिकी वाले आगे बढ़े हुए राज्यों में लगातार प्रतिभा पलायन (ब्रेन ड्रेन) करते रहें। शोध और विकास कार्यों में निवेश की यह कमी इसी बात को पक्का करती है कि बंगाल एक प्रौद्योगिकी निर्माण राज्य होने के बजाय सिर्फ़ उपभोक्ता राज्य बना रहे, जिससे उत्पादक रोज़गार के सृजन में अंतर और बढ़ जाता है। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण के लिए सिर्फ 5,858.95 करोड़ रूपये के आबंटन से यह अनदेखी और भी साफ़ हो जाती है, जो बजट का सिर्फ़ 1.48% है। यह देखते हुए कि पश्चिम बंगाल भारत के सबसे ज़्यादा बाढ़ वाले इलाकों में से एक है, जो उत्तर में नदी किनारे के कटाव और दक्षिण में ज्वार-भाटे से जूझता है, यह कम आबंटन बड़े अधोसंरचनात्मक परियोजनाओं और 1,500 करोड़ रुपए के घाटल मास्टर प्लान जैसे बार-बार आने वाले चुनावी मुद्दों या पूरे राज्य भर की पुरानी नहर प्रणाली को आधुनिक बनाने के लिए काफ़ी नहीं है। इसी तरह, ऊर्जा क्षेत्र को सिर्फ़ 5,372.50 करोड़ मिले हैं, जो कुल खर्च का 1.36% है। इस कम निवेश से राज्य के बहु-प्रचारित औद्योगिक लक्ष्यों में गतिरोध का खतरा है। शिक्षा के क्षेत्र में, उच्च शिक्षा के लिए 6,858.69 करोड़ रुपये का आबंटन है, फिर भी यह आंकड़ा मानवीय पूंजी में गहरे संकट को छुपाता है। जबकि राज्य तरुणेर स्वप्नो जैसी छात्रों को प्रत्यक्ष फंड योजना (डायरेक्ट-टू-स्टूडेंट स्कीम) का आबंटन जारी रखे हुए है, जिसके लिए टैबलेट और स्मार्टफोन के लिए 900 करोड़ रुपये दिए गए थे, शिक्षण की मुख्य अधोसंरचना चरमरा रही है। राज्य में अभी भी सेकेंडरी स्कूलों में शिक्षकों के 35,726 और प्राथमिक शिक्षकों के 13,421 पद रिक्त हैं। यह रिक्तता काफी हद तक 2016 के एसएलएसटी भर्ती घोटाले का नतीजा है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था में गड़बड़ियों के कारण 2025 में लगभग 26,000 नियुक्तियां रद्द कर दी थी। 22,338.08 करोड़ रुपये का स्वास्थ्य बजट दिखाता है कि बीमा की वजह से सार्वजनिक कल्याण का निजीकरण हो रहा है। स्वास्थ्य साथी मॉडल, जिसमें 2.45 करोड़ परिवार शामिल हैं, निजी चिकित्सा पूंजी के साथ दावा निर्धारण करने के लिए सार्वजनिक वित्त का अच्छे से इस्तेमाल करता है। यह सार्वभौमिक कवरेज का दिखावा करता है, जबकि वित्तीय तनाव का मामला ज़्यादा बना रहता है, जिससे गरीबों को बुनियादी निदान के लिए अपनी संपत्तियां बेचनी पड़ती हैं। ग्रामीण इलाकों में डॉक्टर-मरीज अनुपात राष्ट्रीय औसत 1:811 से काफी नीचे होने के बावजूद, राज्य के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मज़बूत बनाने के बजाय बजट में निजी अस्पतालों की लाभ-सीमा को प्राथमिकता दी गई है, जिससे आम लोगों के जीने का सवाल बाजार के भरोसे हो गया है। इस बजट में 'गर्व' करने लायक कुछ नहीं है, बल्कि यह स्थाई निर्भरता की ऐसी योजना है, जो लोगों को गरीबी में फंसाए रखता है। असली तरक्की तभी होती है, जब सरकार बिगड़ी हुई व्यवस्था को ठीक करे, एक उत्पादक अर्थव्यवस्था का निर्माण करें, जहाँ मज़दूरों को घर पर ही अहमियत दी जाए, न कि उन्हें आजीविका के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करने के लिए मजबूर किया जाए। ममता के उदार समर्थक इस दर्दनाक सच्चाई को नज़रअंदाज़ कर सकते हैं, लेकिन लाखों प्रवासी मज़दूरों और कर्ज़ में डूबकर संघर्ष कर रहे परिवारों के पास ऐसा करने का कोई कारण नहीं है।

नेतन्याहू से नाता- आखिर ये रिश्ता क्या कहलाता है?

आलेख - बादल सरोज

यह समय बहुत ही असामान्य और अभूतपूर्व समय है। राजेश जोशी एक छोटी सी कविता 'शांति की अपील' में कहते हैं कि “जब तक मैं एक अपील लिखता हूँ/ आग लग चुकी होती है सारे शहर में/ हिज्जे ठीक करता हूँ जब तक अपील के/ कर्फ़्यू का ऐलान करती घूमने लगती है गाड़ी/ अपील छपने जाती है जब तक प्रेस में/ दुकानें जल चुकी होती हैं/ मारे जा चुके होते हैं लोग/ छपकर जब तक आती है अपील/ अपील की ज़रूरत ख़त्म हो चुकी होती है!” ठीक उसी तरह की भयावह स्थिति से इस समय दुनिया गुजर रही है। जब तक एक नृशंस वारदात को दर्ज करने के लिए विवरण जुटाते हैं, तब तक दूसरी पाशविकता की खबर आ जाती है। जब तक उसके तथ्य जांचते हैं, तब तक बर्बरता का एक और काण्ड घट चुका होता है। सप्ताह-दस दिन की छोटी सी अवधि में जो अघट घटा है, उसके जितने भी आयाम हैं, वे सभी गंभीर और दूर तक असर डालने वाले हैं। इनमें से किसी की भी अनदेखी वर्तमान और भविष्य दोनों के लिए महंगी साबित हो सकती है। मगर ऐसा करने के लिए विस्तार में जाना होगा, इसलिए फिलहाल यहाँ इनमें से सिर्फ एक, भारत के हिसाब से कुछ ज्यादा ही अजीब आयाम, दुनिया के सबसे दुष्ट देश इजरायल और उसके अतर्राष्ट्रीय न्यायालय द्वारा घोषित मानवता के विरुद्ध युद्ध के अपराधी बेंजामिन नेतन्याहू के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उफनती, उलफुलाती आसक्ति, भक्ति की सीमाओं को लांघती अभ्यर्थना और रसातल में पहुंचाई जाती भारत की विदेश नीति और कूटनीतिक प्रतिष्ठा से जुड़े आयाम पर ही केन्द्रित रहते हैं। नरेन्द्र मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं, जो इजरायल गए - मगर 26-27 फरवरी की उनकी इजरायल की दूसरी यात्रा भारत जैसे संप्रभुता के हामी और विश्वशांति के हिमायती देश की अब तक की अंतर्राष्ट्रीय पहचान को जोरदार नुकसान पहुंचाने वाली थी। अपनी इजराइल यात्रा के दौरान भारतीय गाँवों के कायाकल्प के लिए %विलेज ऑफ एक्सीलेंस% कार्यक्रम के तहत इजराइल की कथित आधुनिक कृषि तकनीक को सीधे भारत के जमीनी स्तर यानी गाँवों तक पहुँचाने का वचन भर रहे थे। साझेदारी रक्षा और व्यापार से आगे ले जाकर पेगासस जैसे जासूसी यंत्रों से हर तरह की सूचना चुराने वाले दुष्ट देश की मदद से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में भी गाँवों को 'आधुनिक%' बनाने का करार कर रहे थे। जब वे हजारों बेगुनाह बच्चों सहित आम नागरिकों के हत्यारे नेतन्याहू के साथ गलबहियां कर रहे थे। वहां की संसद में बोलते हुए इस अवैध राष्ट्र की तारीफ़ में कसीदे पढ़ रहे थे, ठीक उस समय इजरायल भारत के परम्परागत और भरोसेमंद दोस्त देश ईरान पर ऐसे हमले की उलटी गिनती गिन रहा था, जैसा हमला द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद के कालखण्ड सहित ताजा इतिहास में कभी नहीं हुआ। इजरायली संसद में मोदी उस दुष्ट राष्ट्र का गुणगान कर रहे थे, जिसे एक ट्रम्प के अमरीका को छोड़ धरती का हर देश, किसी न किसी अनुपात में, धिक्कारता है। जिसके खिलाफ 2015 से 24 के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ में 173 से अधिक प्रस्ताव पारित किये जा चुके हैं। उसके साथ खड़े होकर उसकी संसद में मोदी ने जो बोला और जो नहीं बोला, वह दोनों ही सिर्फ भारत नहीं, दुनिया भर के अब तक के लगभग सर्वमान्य नजरिये से पूरी तरह उलटा था। उन्होंने 7 अक्टूबर 23 को हुए हमास के उस हमले की भर्त्सना के लिए तो शब्द जुटा लिए, जिसके बारे में खुद तत्कालीन यूएनओ महासचिव कह चुके थे कि 'इसे शून्य में, यानि उन हालात से अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए, जिनमें यह हुआ है।' मगर फिलिस्तीन के गज़ा में इजरायल द्वारा किये जा रहे वीभत्स नरसंहार पर उनके मुंह से बोल नहीं फूटे। गज़ा के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार हमला शुरू होने से लेकर फरवरी 2026 तक छोटे से गज़ा में 71,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इनका एक बड़ा हिस्सा -- लगभग 70% -- महिलाओं और बच्चों का है। करीब 10,000 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं या नष्ट हुई इमारतों के मलबे के नीचे दबे हैं। सीधे हमलों के अलावा कम से कम 440 लोग भुखमरी और कुपोषण के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। यह उस फिलिस्तीन में हो रहा है, जिसके साथ भारत हमेशा से रहा है। जिसके बारे में खुद नरेंद्र मोदी के कुनबे के अटल बिहारी वाजपेयी, भारत के विदेश मंत्री के नाते भारत की स्थिति स्पष्ट कर चुके है। जनता पार्टी की जीत के बाद 1977 में अटल बिहारी वाजपेयी ने दिल्ली के रामलीला मैदान में दिए अपने भाषण में कहा था कि — “एक गलतफहमी पैदा की जा रही है कि जनता पार्टी की सरकार बन गई है। वो अरबों का साथ नहीं देगी, इजरायल का साथ देगी। ... मध्य-पूर्व के बारे में ये स्थिति साफ है कि अरबों की जिस जमीन पर इजरायल कब्जा करके बैठा है, वो जमीन उसको खाली करनी होगी। आक्रमणकारी आक्रमण के फलों का उपभोग करे, ये हमें अपने संबंध में स्वीकार नहीं है। जो नियम हम पर लागू है, वो औरो पर भी लागू होगा। अरबों की जमीन खाली होनी चाहिए। जो फिलिस्तीनी हैं, उनके अधिकारों की प्रस्थापना होनी चाहिए। ... मध्य-पूर्व का एक ऐसा हल निकालना होगा, और जिसमें आक्रमण का परिमार्जन हो और स्थायी शांति का आधार बने। गलतफहमी की गुंजाइश नहीं है।” वाजपेयी जिनके अधिकारों की प्रस्थापना की बात कर रहे थे, मोदी उन्हीं फिलिस्तीनियों के नरसंहारी के मेहमान बने कत्लेआम पर चुप्पी साधे बैठे रहे। यह अनायास नहीं है। यही शर्मनाक खामोशी ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामनेई की घोर आपराधिक तरीके से की गयी हत्या को लेकर भी दिखी। खामनेई वही व्यक्ति हैं, जिनसे मुलाकात करने मोदी तेहरान गए थे और वहां जाकर कहा था कि 'भारत और ईरान के रिश्ते उतने ही पुराने हैं, जितना पुराना दुनिया का इतिहास है।' %इंडियन एक्सप्रेस% में उस समय छपी खबरों के अनुसार मई 2016 में अपनी ईरान यात्रा के दौरान मोदी ने वहां के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला सैयद अली खामनेई से मुलाकात की और उन्हें कुरान की 700 वर्ष पुरानी एक दुर्लभ पांडुलिपि की प्रतिकृति भेंट की। कुफिक लिपि में लिखी गई कुरान की इस प्रति को पैगंबर के दामाद और चौथे इस्लामी खलीफा हजरत अली से संबंधित माना जाता है। इसी यात्रा के दौरान मोदी ने ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति हसन रूहानी को मिर्जा गालिब की फारसी कविताओं का संग्रह और रामायण का फारसी अनुवाद भेंट किया था। इतना भर नहीं, जब मई 2024 में ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए, तो भारत सरकार ने उनके सम्मान में 21 मई 2024 को एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की थी। उसी मोदी सरकार ने उसी ईरान के सर्वोच्च नेता के इस तरह मार दिए जाने के बाद शाब्दिक शोक भी व्यक्त नहीं किया, बल्कि इससे उलट हमलावर देश इजरायल के नेतन्याहू और उसके सहयोगी देशों के राष्ट्र प्रमुखों को फ़ोन करके खुद मोदी उनके साथ संवेदनाएं और एकजुटता जता रहे हैं। इतनी निर्लज्ज कूटनीति भारत की कभी नहीं रही। आखिर यह रिश्ता क्या कहलाता है? पूरा विश्व जिसकी निंदा, भर्त्सना और तिरस्कार कर रहा है, उसके प्रति उमड़ते इस हेज की वजह क्या है। भारत के हित तो पक्के से नहीं हैं, क्योंकि इस्लामिक देशों के संगठन - ओ आई सी - में जब-जब कश्मीर के सवाल पर पाकिस्तान ने मुस्लिम कार्ड चलने की कोशिश की, तब-तब ईरान वह प्रमुख देश था, जिसने उसे रोका और भारत का साथ दिया। 1994 में जब पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में कश्मीर पर भारत के खिलाफ प्रस्ताव लाने की कोशिश की थी, तब भी ईरान ने अंतिम समय में भारत का साथ दिया और प्रस्ताव को रोकने में मदद की। भारत की तेल आपूर्ति का सबसे भरोसेमंद और किफायती स्रोत भी रहा। स्वयं मोदी ने मई 2024 में भारत और ईरान ने चाबहार पोर्ट के शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल के संचालन के लिए 10 साल के अनुबंध को अपनी एक एतिहासिक उपलब्धि बताया था। जबकि इजरायल हमंशा उस अमरीका के साथ रहा, जिसने आज तक भारत के खिलाफ साजिशें रचने के सिवा कुछ नहीं किया।

फिर ऐसा क्या है, जिसके चलते भारत आज वहाँ खड़ा है, जहां वह कभी नहीं रहा? अमरीकी दवाब, ट्रम्प को खुश करने और खुश बनाए रखने, एप्सटीन की फाइलों में दर्ज रहस्यों के अलावा, उनके साथ भेड़िये का मुंह भेड़िये द्वारा सूंघने का मामला है। स्वाभाविक अपनापा वह 'मुस्लिम विरोध' और हिंसक प्रवृत्ति है, जिसमें मोदी और उनका कुनबा खुद को नेतन्याहू जैसों के नजदीक मानता है। यह रिश्ता न तो आज का है, ना इकतरफा है, ना ही दबा-छुपा है। इजरायली विदेश मंत्रालय के सार्वजनिक किये गए दस्तावेजों और ऐतिहासिक टेलीग्रामों में इसकी कथायें भरी पड़ी हैं। तब भेजी गोपनीय डाक में इजरायली राजनयिक जनसंघ की मुस्लिम विरोधी राजनीति के आधार पर उसको इजरायल का एक स्वाभाविक और मजबूत समर्थक मानते-बताते रहे। वाशिंगटन में तत्कालीन इजरायली राजदूत डेविड तुर्गमैन ने 25 मार्च 1977 को तेलअबीब को भेजे एक टेलीग्राम में लिखा था कि “दक्षिणपंथी जनसंघ अपने मुस्लिम विरोधी स्वभाव के कारण इजरायल का समर्थक है”। 1980 में, भारत में इजरायली उच्चायुक्त हाइम डिवोन ने एक टेलीग्राम में लिखा कि नई भारतीय जनता पार्टी वास्तव में “भेष बदलकर जनसंघ ही है” और इसके सदस्य इजरायल के प्रति समर्थक का रुख रखते हैं। इतना ही नहीं, 1960 के दशक से ही इजरायली राजनयिकों ने जनसंघ के नेताओं के साथ गहरे संबंध बनाए हुए थे। राजदूतों ने अपनी रिपोर्ट्स में दर्ज किया था कि जब जनसंघ के हाथों में दिल्ली की स्थानीय सरकार आई, तो वे इजरायल के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह तैयार थे। मतलब यह कि जब समूचा देश, उसकी संसद मध्य-पूर्व से फिलिस्तीन तक के सवाल पर एक राय थी, तब भी इस कुनबे ने इजरायल के साथ रिश्ते बनाए हुए थे। मुस्लिम विरोध वह प्रमुख वजह तब भी थी, आज भी है। इस मलिग्नैंट ग्रंथि के चलते यहूदीवाद के दुष्ट इरादे के साथ उन्हें भाईचारा महसूस होता है। इस तरह संघ और भाजपा ने 'विदेश नीति अंततः संबंधित देश की आतंरिक नीतियों का ही प्रतिबिम्ब होती है' की शास्त्रीय धारणा का उदाहरण पेश कर दिया है। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के आधार को भी उस नफरती जहर से विषाक्त कर दिया है, जिसे वह देश के भीतर फैलाने में लगे है। इजरायली संसद में दिए भाषण में 'फादरलैंड-मदरलैंड' की उपमा और रूपक इसी बात को हद से कुछ ज्यादा ही आगे बढाने की हरकत थी। यह सिर्फ भाषण लिखने वाले की लेखनी और वर्तनी की फूहड़ कूड़मगजी भर नहीं है, यह आरएसएस की पितृभू-पुण्यभू के बेतुके आधार पर धर्म आधारित राष्ट्र के विचार का विस्तार है। क्या सिर्फ इसलिए कि वह जिस धर्म में विश्वास करता है, उसके आदि पैगम्बर ने येरुशेलम की मोरिय्याह पहाड़ी पर ज्ञान पाया था, यहूदी धर्म मानने वाले भारतीय नागरिकों की की फादरलैंड इजरायल हो जायेगी? यह बात तो स्वयं यहूदी धर्म तक नहीं करता। उसकी शिक्षाओं में न राष्ट्र की बात है, न सेना की, न पितृ भूमि की। इजरायल के बाद मध्य-पूर्व में सबसे बड़ी यहूदी आबादी उस ईरान में रहती है, जिस पर हमला बोला गया है, इन ईरानी यहूदियों ने इजरायल को कभी अपनी पितृभूमि नहीं माना। धर्म के उदगम स्थल को पितृ भूमि मानने की धारणा अपने आप में ही अत्यंत खतरनाक धारणा है। कोई एक सदी से युद्ध के झंझावातों में फंसा येरुशेलम का करीब पौन किमी. का छोटा-सा टुकडा यहूदी धर्म के अलावा बाकी दोनों अब्राहमी धर्मों - ईसाइयत और इस्लाम - के पैगम्बरों से भी उतना ही जुड़ा हुआ है। यह तर्क चल निकला, तो फिर आर्यों को भी मध्य एशिया के अपने ददिहाल और ननिहाल दोनों की याद आने लगेगी — थोड़ा-सा और पीछे गए, तो दुनिया भर को दक्षिण अफ्रीका के जोहानसबर्ग में मानवता के पालने - क्रैडल ऑफ़ ह्यूमनकाइंड - में सोयी दुनिया भर की नानी अम्मा के पास जाना पड़ेगा। आखिर नफरती साम्प्रदायिकता इसी तरह की अंधी गलियों में ले जाकर ही तो खड़ा कर देना चाहती है। ध्यान रहे, जो कुनबा आज यहूदीवादी नेतन्याहू जैसों की पाद-परिक्रमा करने में लगा है, वही कुनबा 1930-40 के दशक में नाज़ी जर्मनी में इन्ही यहूदियों के कत्लेआम को अपना आदर्श बता संघचालक एम.एस. गोलवलकर 1939 की अपनी किताब 'हम और हमारी राष्ट्रीयता - %वी, ऑर अवर नेशनहुड डिफाइंड%' लिख रहे थे कि “राष्ट्र और उसकी संस्कृति की शुद्धता बनाए रखने के लिए, जर्मनी ने यहूदियों (सेमिटिक नस्लों) को देश से बाहर निकालकर दुनिया को चौंका दिया। यहाँ राष्ट्रीय गौरव अपने उच्चतम स्तर पर प्रकट हुआ है।” उन्होंने आगे कहा था कि यह हिंदुस्तान के लिए सीखने और लाभ उठाने के लिए एक अच्छा सबक है। संघ इतने पर ही नहीं रुका, उसने अपने प्रमुख नेता डॉ. मुंजे को मुसोलिनी और हिटलर के पास भेजा भी था । इनके आराध्य विनायक दामोदर सावरकर ने भी नाजीवाद और हिटलर की नीतियों के प्रति प्रशंसा व्यक्त की थी, विशेष रूप से उस समय जब जर्मनी यहूदियों को बाहर निकाल रहा था। सावरकर ने 1930 के दशक के अंत में नाजीवाद को जर्मनी के लिए “रक्षक” बताया था। आज वही संघ यहूदियों के नाम की जा रही लगभग उसी प्रकार की बर्बरता का गुणगाहक बना हुआ है। साफ़ बात है, जब हिंसक बर्बरता ही साध्य हो, तो आराध्य अदलने-बदलने में काहे की शर्म और कैसा संकोच? इतिहास में कुछ ऐसे सप्ताह होते हैं, जिनमें दशकों का बदलाव हो जाता है। ट्रम्प और नेतन्याहू की जुंडली इन सप्ताहों को अपने खौफनाक इरादों को पूरा करने वाला बनाए, इससे पहले दुनिया की मानवता के साथ लोकतंत्र के शासन, मनुष्यता के मान, सभी देशों की सम्प्रभुता के सम्मान और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के विधान में विश्वास करने वाले भारत के अवाम को एक स्वर में बोलना होगा।

खेरवा ताल में साढ़े बारह लाख का सोलर प्लांट बना शो-पीस

नगर पंचायत की लापरवाही से सरकार को लगा लाखों का चूना

संवाददाता

सिधौली (सीतापुर)। कस्बे के बीच स्थित खेरवा ताल में सौर ऊर्जा से पानी को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से लगाया गया सोलर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट नगर पंचायत की लापरवाही का शिकार होता नजर आ रहा है। करीब साढ़े बारह लाख रुपये की लागत से हुए इस कार्य का टेंडर किया गया था, लेकिन जमीनी हकीकत में यह योजना पूरी तरह बदहाल पड़ी है।

तालाब के किनारे लगाए गए सोलर पैनल महज शो-पीस बनकर खड़े हैं, जबकि प्लांट से जुड़े तार गायब हो चुके हैं और मशीनें बेकार पड़ी धूल फांक रही हैं। जिस योजना का उद्देश्य तालाब के पानी को फि ल्टर कर स्वच्छ बनाना था, वह खुद ही बदहाली की तस्वीर बन गई है। इतना ही नहीं, तालाब के आसपास फैली गंदगी और उपेक्षा से डेंगू, मलेरिया समेत कई जानलेवा बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है, लेकिन नगर पंचायत की ओर से इस दिशा में कोई ठोस कदम उठता नजर नहीं आ रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि साढ़े बारह लाख रुपये की सरकारी योजना नगर पंचायत की लापरवाही की भेंट चढ़ गई, जिससे साफ है कि सरकारी धन की बबार्दी किस तरह हो रही है।

ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर इस योजना की दुर्दशा का जिम्मेदार कौन है और सरकारी धन की इस बबार्दी का हिसाब कौन देगा। इस संबंध में जब नगर पंचायत सिधौली की अधिशासी अधिकारी रेणुका यादव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि साढ़े बारह लाख रुपये का एस्टीमेट नगर पंचायत से पास हुआ था, लेकिन अन्य मामलों की जानकारी होने से उन्होंने अनभिज्ञता जताई।

हालांकि, खेरवा ताल में लगे सोलर प्लांट की बदहाल स्थिति, गायब तारों और बंद पड़ी मशीनों के संबंध में कोई स्पष्ट या संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया, जिससे नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना यह होगा कि सरकार और जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और लाखों रुपये की इस योजना की जांच कर दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है।

मानपुर-महराज नगर मार्ग के चौड़ीकरण का शिलान्यास, क्षेत्रवासियों में हर्ष की लहर

बिसवां/सीतापुर, संवाददाता। जनपद सीतापुर क विधानसभा बिसवां में क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बीते दिन रविवार को बिसवां विधानसभा के अंतर्गत मानपुर-महराज नगर मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का भव्य शिलान्यास संपन्न हुआ।

बन्नी खरेला बाजार में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद राजेश वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक निर्मल वर्मा द्वारा की गई। शिलान्यास के अवसर पर मुख्य अतिथि राजेश वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश का बुनियादी ढांचा तेजी से सुदृढ़ हो रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस मार्ग के चौड़ीकरण से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि स्थानीय व्यापार और किसानों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। विधायक निर्मल वर्मा ने क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहाः आप सभी के आशीर्वाद और समर्थन से ही आज यह महत्वपूर्ण कार्य धरातल पर उतर सका है। हमारा प्रयास बिसवां को विकास के हर मानक पर अव्वल बनाना है। इस ऐतिहासिक अवसर पर भाजपा संगठन के पदाधिकारियों और भारी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी रही।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सुधाकर शुक्ला, जिला महामंत्री रमेश भार्गव (दीपू), मंडल अध्यक्ष अरविंद वर्मा, माधव चरण मिश्रा, अमर बाजपेयी,घनश्याम शर्मा, उत्तम वर्मा, अनुज शुक्ला, छैल बिहारी शुक्ला, कुंवर गणेश शुक्ल, सौरभ शुक्ला, मनोज रस्तोगी, ललित शुक्ला, जय प्रकाश दीक्षित,विशंभर दयाल वर्मा, बिंद्रा प्रसाद धुरिया, ज्ञानेश्वर मिश्र, भूपेंद्र सिंह, सुशील गौतम,शान्ति, सुमन, वर्षा सिंह, कल्पना यादव, अमित वर्मा, रवि सिंह, मेहुल यादव, संदीप शुक्ला,संतोष वर्मा, अनिकेत वर्मा, गोविंद यादव समेत सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी। शिलान्यास के बाद ग्रामीणों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों का जोरदार स्वागत किया और मार्ग निर्माण की मांग पूरी होने पर खुशी जाहिर की।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेला मे पहुंचे वायरल फीवर के अधिकांश मरीज

लहरपुर, सीतापुर, संवाददाता। प्रत्येक रविवार को लगने वाले मुख्यमंत्री आरोग्य मेलों में विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भारी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचे। स्वास्थ्य केंद्रों पर नियुक्त डॉक्टरों ने रविवार को मरीजों को देखकर दवाईयां दी।

ज्ञातव्य है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आने वाले पांच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 201 मरीज इलाज के लिए पहुंचे जिनकी जांच कर दवाइयां दी गई। क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिलरिया में डॉक्टर आदित्य सिंह ने 29 मरीजों की, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ढखेरा में डॉक्टर तलत जहां ने 35 मरीज, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अकैचनपुर फरीदपुर में डॉ प्रज्ञा शरण आनंद ने 33 मरीज, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खैरुल्लापुर में डॉ रवि वर्मा ने 53 मरीज और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अकबरपुर में डॉक्टर अख्तर हुसैन ने 51 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर दवाइयां दीं।

आयोजित किए गए आरोग्य मेलों के संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉक्टर अरविंद वाजपेई ने बताया कि, बदल रहे मौसम के चलते अधिकांश मरीज, खांसी-जुकाम बुखार के आ रहे है उन्होंने बताया कि सभी स्वास्थ्य केंद्र प्रभारियों को शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने व बदलते मौसम के चलते वायरल फीवर के मरीजों के इलाज व स्लाइड बनाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

सीएम की मां पर अभद्र टिप्पणी से उबाल, विरोध प्रदर्शन के बाद मौलाना का फूंका पुतला

सीतापुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता के विरुद्ध की गई अपमानजनक टिप्पणी ने पूरे प्रदेश की सियासत और हिंदू संगठनों में आक्रोश की ज्वाला भड़का दी है। बिहार के पटना में एक मजहबी जलसे के दौरान मौलाना अब्दुल्ला सलीम द्वारा दिए गए इस विवादित बयान के विरोध में शनिवार को सीतापुर की सड़कों पर भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनूप खेतान के नेतृत्व में कार्यकताओं ने शहर के मुख्य बाजार से लेकर लालबाग चौराहे तक जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और मौलाना का पुतला फूंककर अपनी नाराजगी जाहिर की।

जानकारी के अनुसार, रमजान के दौरान पटना में आयोजित एक सभा में मौलाना अब्दुल्ला सलीम उत्तर प्रदेश में गोहत्या के खिलाफ बने सख्त कानूनों की तीखी आलोचना कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने हिंदू आस्थाओं और गाय को मां मानने की परंपरा का उपहास उड़ाया। भड़काऊ भाषण देते हुए मौलाना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माताजी को लेकर बेहद आपत्तिजनक और अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया। मौलाना ने यह भी आरोप लगाया कि यूपी में गोमांस मिलने पर पुलिस सीधे पैरों में गोली मार देती है। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल होते ही सनातन प्रेमियों में भारी गुस्सा फैल गया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अनूप खेतान ने दो टूक शब्दों में कहा कि मुख्यमंत्री पर की गई यह टिप्पणी केवल एक व्यक्ति विशेष पर नहीं, बल्कि पूरे संत समाज और सनातन धर्म पर हमला है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मौलाना के विरुद्ध तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई और गिरफ्तारी सुनिश्चित नहीं की गई, तो हिंदू सुरक्षा सेवा संघ पूरे उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में उग्र आंदोलन करने को विवश होगा। महंत राजू दास की अगुवाई में संगठन ने प्रशासन के माध्यम से सरकार तक अपनी मांग पहुंचाई है। विरोध मार्च के दौरान कार्यकताओं ने मौलाना और उनकी मानसिकता के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। शहर के प्रमुख व्यापारिक मार्गों से होता हुआ यह जुलूस लालबाग चौराहे पर पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया, जहां पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया गया।

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टर के बारे में पूछने पर मरीज के तीमारदार को जड़ा थप्पड़, फेंका मोबाइल

सीतापुर, संवाददाता। जनपद के मुख्य चिकित्सालय (जिला अस्पताल) से एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जिसने जिले की पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिया है। सुदूर क्षेत्रों से उम्मीद लेकर आने वाले मरीजों के लिए अस्पताल अब इलाज के बजाय अपमान का केंद्र बनता जा रहा है।

ताजा विवाद अस्पताल के पेइंग वार्ड में हुआ, जहाँ तीमारदारों के साथ नर्सों की अभद्रता ने सारी सीमाएं लांघ दीं जानकारी के अनुसार, पेइंग वार्ड में भर्ती एक गंभीर मरीज के परिजन ने जब वहां तैनात नर्स से ड्यूटी डॉक्टर के बारे में सामान्य पूछताछ की, तो बजाय जानकारी देने के नर्स आगबबूला हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि कहासुनी के दौरान नर्स ने अपना आपा खो दिया और मरीज के तीमारदार के चेहरे पर मेडिकल फाइल दे मारी। इतना ही नहीं, विरोध करने पर परिजन का मोबाइल फोन छीनकर फेंक दिया गया और जमकर गाली-गलौज की गई। इस घटना के बाद वार्ड में काफी देर तक अफरा-तफरी और हंगामे का माहौल बना रहा। अस्पताल में मौजूद स्थानीय लोगों और अन्य मरीजों के परिजनों ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आरोप है कि इमरजेंसी वार्ड में आने वाले मरीजों से बेहतर देखरेख के नाम पर अवैध धन उगाही की जाती है। यदि कोई परिजन पैसा देने में असमर्थता जताता है, तो उसे सीधे लखनऊ रेफर करने की धमकी देकर डराया जाता है। तीमारदारों का कहना है कि अस्पताल का स्टाफ मरीजों को सेवा नहीं, बल्कि शिकारश की तरह देखता है। पीडितों और आम जनता में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है कि आखिर इन बेलगाम स्वास्थ्यकर्मियों पर लगाम कौन कसेगा? लोगों का कहना है कि अस्पताल प्रशासन और तैनात स्टाफ के मन में अब जिलाधिकारी डा. राजागणपति आर. के कड़े रुख का भी कोई खौफ नजर नहीं आता। बार-बार मिल रही शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होना भ्रष्ट तंत्र को बढ़ावा दे रहा है। फिलहाल, सोशल मीडिया पर इस घटना की चर्चा जोरों पर है। अब देखना यह होगा कि क्या स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारी इस गुंडागर्दी पर कोई कड़ा संज्ञान लेते हैं या गरीब मरीज यूं ही सिस्टम की भेंट चढ़ते रहेंगे।

मेला महोत्सव मिश्रित-नैमिषारण्य-2026 का दीप प्रज्वलित कर प्रभारी मंत्री ने किया उद्घाटन

सीतापुर, संवाददाता। राज्यमंत्री, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग, उ0प्र0 एवं जनपद के प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह एवं उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों द्वारा होली परिक्रमा मेला महोत्सव मिश्रित-नैमिषारण्य-2026 का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया। मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ जी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रोजगार संगम पोर्टल के मोबाइल ऐप की लॉन्चिंग, नव-नियुक्त मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्रों का वितरण सहित उत्कृष्ट महिला कार्मिकों और मेधावी बालिकाओं को सम्मानित किया गया, जिसका सजीव प्रसारण म्जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा देखा एवं सुना गया।

प्रभारी मंत्री द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलों का अवलोकन किया व ओडीपीओ के तहत बनाये जा रहे प्रोडेक्टों को और अधिक बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रभारी मंत्री ने लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराया जाये। होली परिक्रमा मेला महोत्सव मिश्रित-नैमिषारण्य-2026 में विभिन्न विद्यालयों से आये हुये बच्चों ने स्वागत गीत एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री जी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा कार्यक्रम को सम्बोधित किया गया। इस अवसर प्रभारी मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा आशाओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रशिस्त पत्र देकर सम्मानित किया गया और अच्छा कार्य करने हेतु प्रेरित भी किया गया। उन्होंने बताया कि आशा योजना का शुभारंभ वर्ष 2005 में हुआ। उस समय मातृ व शिशु मृत्यु दर बहुत अधिक थी, जिसकी मुख्य वजह घरेलू प्रसव थी। प्रदेश में वर्ष 2005 में लगभग 74 प्रतिशत घरेलू प्रसव हुआ करते थे, वहीं अब घरेलू प्रसवों में बहुत कमी आयी है तथा आज 85 प्रतिशत से अधिक संस्थागत प्रसव हो रहे हैं, जिससे निसंदेह आशा का योगदान है। इसी तरह अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों में टीकाकरण, परिवार नियोजन ,टीबी, कुष्ठ, मलेरिया एवं फाइलेरिया नियंत्रण, नवजात शिशु व बाल देखभाल, रोगों की पहचान व संदर्भन, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस, आयुष्मान भारत अंतर्गत गोल्डेन कार्ड, आभा आई0डी0 के निर्माण हेतु जागरूकता में आशा प्रमुख भूमिका में हैं। आज लगभग स्वास्थ्य विभाग के 21 कार्यक्रमों की 94 गतिविधियों में आशा भूमिका निभा रही हैं व संबंधित गतिविधियों के लिए आशा को मानदेय भी दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में जनपद में कुल 3830 आशाओं को लगभग 31करोड़ 12 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि दी गई। वही वित्तीय वर्ष 2025-26 में आशाओं को लगभग 26 करोड़ 52 लाख धनराशि वितरित की गई। आज स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ व ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के प्रत्येक गांव/मोहल्ले में मजबूत स्तंभ के रूप में कार्य कर रही है। इस अवसर पर स्वास्थ्य की योजनाएं व आशा की भूमिका पर मुन्ना जादूगर द्वारा मनमोहक प्रस्तुति की गई तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्टाल भी लगाया गया जिसमें चिकित्सीय परामर्श व विभागीय योजनाओं का प्रचार प्रसार किया गया। सहयोगी संस्थाओं में पी0एस0आई0 व पी0एफ0आई0 का सराहनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर मा0 विधायक सेवता ज्ञान तिवारी, मा0 विधायक मिश्रिख रामकृष्ण भार्गव, सदस्य विधान परिषद पवन सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0, पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुरेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजनमानस उपस्थित रहा।

होली मिलन कार्यक्रम में पहुंचे दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

लहरपुर सीतापुर, संवाददाता। क्षेत्र के ग्राम नबीनगर में दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री गिरीश चंद्र मिश्र का भाजपा कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर किया भव्य स्वागत। शनिवार देर शाम उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गिरीश चंद्र मिश्र ने ग्राम नबीनगर में कमल शुक्ला के आवास पर आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा कार्यकताओं के गले मिलकर होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कार्यकताओं से संवाद कर उनका उत्साह वर्धन किया उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं को भाजपा की कल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका अदा करने की अपील की, उन्होंने कहा कि, आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए आप सभी अपने-अपने बूथों पर जाकर लोगों को भाजपा की कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं की जानकारी दें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामनरेश त्रिवेदी, रामजी कटियार, नबीनगर मंडल अध्यक्ष निर्मल मिश्रा, दिलीप शुक्ल,उत्तम शर्मा, उमेश भार्गव, अजय मिश्रा, वीरेंद्र मिश्रा, बंशीधर पाठक सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सामाजिक सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए नीतू वर्मा

सिधौली सीतापुर, संवाददाता। नयी दिल्ली के शाई गार्डेन आयोजित एक भव्य राष्ट्रीय समारोह में जनपद सीतापुर की प्रतिभाशाली सामाजिक कार्यकर्ती नीतू वर्मा को राष्ट्रीय नारी रत्न सम्मान 2026 से अलंकृत किया गया। यह सम्मान उन्हें शिक्षा, सामाजिक सेवा और मानवीय सहयोग के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

इस अवसर पर उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान (कैबिनेट मंत्री, दिल्ली सरकार) के कर कमलों से प्रदान किया गया। समारोह का आयोजन दिल्ली द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में किया गया, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से चयनित प्रतिभाशाली महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। नीतू वर्मा क्षेत्र की निवासी हैं और उनका जीवन संघर्ष, परिश्रम तथा सेवा भावना का प्रेरणादायी उदाहरण है। साधारण किसान परिवार में जन्मी नीतू वर्मा के पिता एक मेहनती किसान हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने शिक्षा के महत्व को समझते हुए अपने जीवन को समाज सेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित किया।

उन्होंने शिक्षाविद् एवं समाजसेवी (गुरुजी) द्वारा संचालित निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की और अपने अथक प्रयासों के बल पर आज ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। नीतू वर्मा गुरुजी आर. डी. वर्मा के विचारों से अत्यंत प्रेरित हैं। विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि जिस संस्थान से उन्होंने शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन को नई दिशा दी, आज उसी संस्थान से जुड़कर वे समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। वे संस्थान को आर्थिक और शारीरिक सहयोग प्रदान करते हुए निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करती हैं, जिससे अनेक युवा अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ सकें।

नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप

महमूदाबाद, सीतापुर, संवाददाता। कोतवाली महमूदाबाद क्षेत्र के ग्राम मीरानगर की रहने वाली एक महिला ने अपनी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और विरोध करने पर धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मीरानगर निवासी सुनीता पत्नी स्वर्गीय शिव भगवान ने कोतवाली महमूदाबाद में दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी पुत्री शिल्पी (लगभग 15 वर्ष) को गांव के ही समीर पुत्र शरीफ ने 23 फरवरी 2026 को सुबह करीब 10 बजे बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा लिया। पीड़िता का आरोप है कि जब वह समीर के घरवालों से इस संबंध में जानकारी लेने गई तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। सुनीता ने आरोप लगाया कि समीर के परिजन अमीर अली पुत्र कासिम, शरीफ पुत्र अमीर अली तथा समारे पुत्र शरीफ उसे गंदी-गंदी गालियां दे रहे हैं।

बस से गिरी महिला: गंभीर रूप से घायल, पेट्रोल टंकी के पास हुआ था हादसा

सिधौली, सीतापुर, संवाददाता। सिधौली कस्बे में रविवार को एक महिला बस से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना सिधौली में पेट्रोल टंकी के पास हुई। महिला को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सिधौली में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, सोनी (50) पत्नी मातादीन,निवासी ग्राम लालपुर, थाना लहरपुर, लखनऊ से बस द्वारा अपने गांव लालपुर जा रही थीं। बस जब सिधौली कस्बे में पेट्रोल टंकी के पास पहुंची, तभी अचानक असंतुलित होकर वह बस से नीचे गिर गईं। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत महिला को संभाला और उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली पहुंचाया। चिकित्सकों द्वारा उनका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि महिला को गिरने से चोटें आई हैं, हालांकि उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज जारी है

स्वच्छ भारत मिशन को पतीला लगा रहे जिम्मेदार

तीन महीने से नहीं हुई नालियों की साफ-सफाई

सिधौली सीतापुर, संवाददाता। जनपद सीतापुर के तहसील सिधौली के अंतर्गत विकास खंड कसमंडा की ग्राम पंचायत भंडिया में स्वच्छ भारत मिशन की उडाई जा रही धज्जियां आपको बता दें कि भंडिया मजरा मेडाईपुरवा में साफ सफाई के अभाव से जूझ रहे ग्रामीणों ने बताया कि तीन महीने से सफाई कर्मचारी के द्वारा गांव की नालियों पर नजर तक नहीं डाली गई है।

कागजों पर भले ही रोस्टर लगा कर पंचायत में स्वच्छता के पंख फैला रहे हैं लेकिन

धरातल पर मेडाईपुरवा गांव की आवाम नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हैं। साफ सफाई ना होने के कारण नालियों में बड़ी बड़ी जंगल झाड़ियां उगने लगी है। जंगल झाड़ियां उगने से मच्छरों को भारी संख्या में देखा जा रहा है।

नालियों में गंदगी को लेकर जब खंड विकास अधिकारी राकेश श्रीवास्तव को अवगत कराया तो उन्होंने बताया कि सफाई कर्मचारी को निर्देशित कर साफ-सफाई करवाई जाएगी।

नालियों में गंदगी से मच्छरों से बीमारियों का डर लगा रहता है।कही कही पर नालियों में गंदगी भरने की वजह से इस तरह नालियां चोक होने लगी है कि नालियों का पानी घरों तक पहुंच गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि सफाई कर्मचारी से बार बार कहा भी गया है लेकिन सफाई कर्मचारी की मनमानी के चलते नालियों की साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस पंचायत में कागजों पर भले ही पंचायत में स्वच्छता अभियान को लेकर चूना, ब्लीचिंग, फोगिंग जैसी योजनाओं को दशार्या गया है लेकिन धरातल पर फोगिंग, कीटनाशक दवाएं तो छोड़ दीजिए साफ-सफाई के भी लाले पड़े हुए हैं।

स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान द्वारा 6 जोड़ों ने लिए सात फेरे।

➲ एक कन्या का दुर्घटनाग्रस्त होने से एक जोड़े का शादी हुआ कम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। काशी की पावन धरा पर सोनार समाज की राष्ट्रीय संस्था ÷स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान, वाराणसी÷ द्वारा रविवार को नाटी इमली स्थित गणेश मंडपम् लॉन में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजित किया गया। उक्त पुनीत मांगलिक कार्यक्रम में चंदौली निवासिनी एक कन्या का शनिवार की देर रात दीनदयाल नगर में दुर्घटना होने से घायल हो गई उन्हें बी एच यू के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। परिणाम स्वरूप स्वजातीय 6 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया। रविवार को पूर्वाह्न लगभग 12:00 बजे मैदागिन स्थित उन्नति रेजिडेंसी से सभी 6 दूल्हों का ÷सामूहिक बारात÷ उन्नति रेजीडेंसी से प्रारंभ होकर मध्यमेश्वर, दारानगर, डी. ए. वी. कालेज, आदर्श इंटर कॉलेज, ईश्वरगंगी होते हुए नाटी इमली स्थित गणेश मंडपम् लॉन गई, जहां सभी कन्या पक्ष के परिवार की महिलाओं द्वारा परछन के बाद लॉन के प्रांगण में सुसज्जित भव्य मंच पर सभी जोड़ों का जयमाल कराया गया। जयमाल के साथ ही उपस्थित अतिथियों व समाज के वरिष्ठ जनों द्वारा वर-वधू को आशीर्वाद देने के उपरान्त सभी जोड़ों का एक विवाह मंडप में वैदिक रीति रिवाज से परिणय संस्कार कराया गया। सभी जोड़ों को शुभाशीर्वाद के साथ नव वैवाहिक जीवन में उपयोगी आवश्यक सामान संस्थान एवं समाज के द्वारा समान रूप से प्रदान किया गया जिसमें मुख्य रूप से आलमारी, पलंग, सिंगारदान, रजाई, गद्दा, तकिया, चादर, खोली, 111 बर्तन का सेट, सोने की नथिया, चांदी के पायल व बिछिया, सीलिंग फैन, मिक्सी, कुकर इडली स्टैंड, कैसरोल, आयरन प्रेस साहित्य पहुर के लड्डू वगैरा भी वर तथा कन्या पक्ष को दिए गए। प्रारंभ में स्वर्णकार क्षत्रिय कमेटी के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष घनश्याम सेठ बच्चा के नेतृत्व में बारात सकुशल गणेश मंडपम् पहुंचाया। रास्ते में क्षत्रिय स्वर्णकार युवक व महिला समाज की ओर से दारानगर में, नन्दलाल सेठ अनिल सेठ सुनील सेठ चोलापुर की ओर से रूद्रा अपार्टमेंट के गेट पर, ओम प्रकाश गुप्ता व बबीता गुप्ता की ओर से विराट विला गेट पर शरबत, पेयजल एवं कोल्ड ड्रिंक से बारातियों का स्वागत किया गया। रास्ते में दर्जनों स्थानों पर बारात पर पुष्प वर्षा भी किया गया। सम्मेलन में समाज की अग्रणी संस्थाओं सहित उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ , गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा एवं अन्य कई प्रदेशों से संस्थान के पदाधिकारी व समाजसेवी बंधु उपस्थित रहे और स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन के सहयोगी व साक्षी बने। मंडप में विवाह पूजन का संयोजन पूरे वैदिक रीति से प्रकांड विद्वान चंद्रकांत पांडेय (मुखिया मंदिर श्रीनाथजी),आदित्य पांडेय ने किया। इस दौरान मुख्य रूप से राष्ट्रीय संस्थापक ई. योगेंद्र कुमार, राष्ट्रीय संयोजक व सामूहिक विवाह सम्मेलन अध्यक्ष रवि सर्राफ, राष्ट्रीय अध्यक्ष शारदा शंकर सिंह, जौनपुर से नन्हें लाल सेठ, मुंबई से दशरथ सोनी, सामूहिक विवाह सम्मेलन के स्वागताध्यक्ष दयाशंकर सेठ, राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ विजया ताई दहिवाल, अनिल चंचल, ज्योति सोनी, सरिता सर्राफ, आरती सेठ, जिलाध्यक्ष किशोर सेठ, सम्मेलन संयोजक कमल कुमार सिंह, दशरथ सोनी, अरूण सोनी, विष्णु दयाल, दीपक कुमार सेठ, सतीश कुमार सिंह, जनार्दन वर्मा, श्याम जी सेठ, बेबी सेठ, सुनिति सिंह, राजू वर्मा, राजेश सेठ बच्चा, बच्चा लाल सेठ, विकास वर्मा, ईश्वर चंद्र वर्मा, रौनी वर्मा, कृष्ण कुमार सेठ बच्चू जी, अनिल सेठ, रवि सेठ वैष्णो, रवि सेठ चाहत, चमन सेठ, पंकज सर्राफ, वेद प्रकाश वर्मा, किरण चंद्र वर्मा, अशोक जी सर्राफ आदि मौजूद रहे।

औरैया पुलिस द्वारा दो गुमशुदा बच्चों को परिजनों से मिलाया गया, परिजनों ने औरैया पुलिस का किया आभार व्यक्त

औरैया। आपरेशन मुस्कान के अन्तर्गत थाना कोतवाली औरैया पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत फफूंद तिराहे के पास दो नाबालिग बच्चे जो अपने घर का रास्ता भटक गये थे उक्त गुमशुदा बच्चो को पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये बच्चों के परिजनो की खोज कर गुमशुदा बच्चों को नियमानुसार परिजनों को सुपुर्द किया गया तथा परिजन अपने बच्चे को सकुशल पाकर बहुत खुश हुए और पुलिस का धन्यवाद प्रकट किया तथा आमजनमानस द्वारा पुलिस के इस कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की गई है।

राष्ट्र का उत्थान नारी शक्ति का सम्मान सनत कुमार सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। महिला दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सनत कुमार सिंह द्वारा विगत वर्षों से नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता रहा है जिसमें एक सौ पाँच महिला शिक्षकों को सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सनत कुमार सिंह के देखरेख में बीआरसी केसरीपुर में सम्पन्न हुआ। नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाराणसी के बेसिक स्कूलों के 105 महिला शिक्षकों को मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या,खण्ड शिक्षा अधिकारी रामपूजन पटेल, शिक्षक संघ के अध्यक्ष सनत कुमार सिंह द्वारा मेडल व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नारी सशक्तिकरण पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए। पूनम मौर्या ने कहा कि नारी सशक्तीकरण के लिए सरकार प्रयासरत है और महिलाओं के उत्थान के लिए नई-नई योजनाएं चलाई जा रही हैं। बालिका शिक्षा को बढ़ावा व नारी सशक्तिकरण के लिए आप सबके माध्यम से जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। राम पूजन पटेल ने कहा नारी परिवार की सबसे मजबूत कड़ी है।सनत कुमार सिंह ने जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या व अनुराग श्रीवास्तव जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का आभार व्यक्त किया। सनत कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्र का उत्थान बगैर नारी शक्ति के अधूरा है। अनूप सिंह ने कहा कि हर वर्ष महिला शिक्षकों का सम्मान किये जाने से शिक्षकों में उत्साहवर्धन होता है। राजेश सिंह ने कहा कि अच्छे कार्य करने के लिये अध्यक्ष सनत कुमार सिंह की अगुवाई में प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा महिला शिक्षकों को सम्मानित किया जाना सराहनीय है।अंजू चौबे ने कहा कि शिक्षक संघ के अध्यक्ष सनत कुमार सिंह शिक्षक दिवस के अवसर पर भारी संख्या में शिक्षकों का सम्मान एवं रक्तदान शिविर के साथ-साथ सतत राष्ट्रीय आपदा राहत कोष में भी दान दिया करते हैं। डॉ उषा सिंह ने कहा कि अध्यक्ष सनत कुमार सिंह द्वारा महिला दिवस पर भारी संख्या में महिला शिक्षकों का सम्मान करना एवं समय-समय पर बच्चों को कॉपी,पेंसिल इत्यादि सामग्री वितरित किया जाना अनुकरणीय व सराहनीय है। कार्यक्रम में सभी के द्वारा महिला अधिकार की रक्षा व बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया। संचालन अंजू चौबे व गायत्री एवं धन्यवाद ज्ञापन अंजूलता सिंह ने किया। कार्यक्रम में रीना सिंह,पुष्पा देवी,चंद्रावती शर्मा,उषा सिंह,प्रियंका मंजरी,अंजूलता सिंह,प्रतिभा सिंह,अर्चना ओझा,रक्षा रस्तोगी,अंकिता,ममता,स्नेहलता,अन्जू,पूजा,ज्योति,आशा आदि सैकड़ों महिला शिक्षक व संघ के पदाधिकारी गण विजयलाल गुप्ता,शैलेंद्र सहाय,ललित सिंह,डॉ सिद्धनाथ पांडेय,श्रीपाद बल्लभ वक्षी,राजकुमार,संतोष शर्मा,धीरज पांडेय आदि उपस्थित रहे।

सूतटोला में बदमाशों की फायरिंग से दहशत, बेटे की जान बख्शने के लिए मांगी पांच लाख की रंगदारी।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

वाराणसी। शहर के सूतटोला इलाके में शुक्रवार देर रात बदमाशों की फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई। बदमाशों ने एक युवक की हत्या न करने के एवज में उसकी मां से पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी। मामले में महिला की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने पांच नामजद समेत अन्य अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सूतटोला निवासी सुमन यादव ने कोतवाली थाने में दी गई तहरीर में बताया कि शुक्रवार देर रात करीब 1:38 बजे विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर एक के पास रहने वाला आर्यन पांडेय, मीरघाट निवासी गोलू यादव उर्फ शुभम, विशाल साहनी, आंचल यादव उर्फ आनंद यादव और शंभू साहनी (पता अज्ञात) तीन-चार अन्य साथियों के साथ उनके घर के नीचे पहुंच गए। आरोप है कि सभी बदमाश गाली-गलौज करने लगे और उनके बेटे गोविंद यादव की हत्या करने की धमकी देते हुए पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने फायरिंग भी की, जिससे पूरे मोहल्ले में दहशत फैल गई। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। वहीं इंटरनेट मीडिया पर एक बदमाश का पिस्टल लिए वीडियो भी प्रसारित हुआ है। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। कोतवाल दयाशंकर सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। एसीपी विजय प्रताप सिंह के अनुसार आरोपितों के खिलाफ पहले से भी कई मुकदमे दर्ज हैं। गोविंद यादव के खिलाफ भी पूर्व में कई मामले दर्ज बताए जा रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच जुलाई 2024 में भी विवाद हुआ था। दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के मीरघाट में हुई फायरिंग की घटना में भी एक पक्ष आरोपित रहा है। पुलिस का कहना है कि सूतटोला में पिस्टल लेकर पहुंचने और फायरिंग करने की घटना की गंभीरता से जांच कर आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ओकास रेजिडेंसी अपार्टमेंट में महिलाओं के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी सेक्टर जे लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ओकास रेजिडेंसी अपार्टमेंट ओनस एसोसिएशन ने नारी कार्यक्रम का आयोजन किया। नारी के सहयोग के बीना कुछ संभव नही है। जिस प्रकार कोई भी पक्षी एक पंख के सहारे उड़ नहीं सकता, उसी प्रकार नारी के बिना पुरुष की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यदि हम नारी को भयमुक्त वातावरण देने और आत्मसम्मान के साथ खड़ा करने में सहयोगी बन सके, तो यह हमारे और समाज के लिए गर्व की बात होगी। हमारी भारतीय संस्कृति ने सदैव ही नारी जाति का स्थान पूज्यनीय एवं वन्दनीय रहा है, नारी का रूप चाहे मां के रूप में हो, बहन के रुप में हो, बेटी के रुप में हो या फिर पत्नी के रूप में हो सभी रुपों में नारी का सम्मान किया जाता है। यह बात आदिकाल से ही हमारे पौराणिक गाथाओं में विद्यमान रही है। और आज भी जगह - जगह देवी के रुप में पूजी जाती हैं। नौ रात्रों में क्न्या खिलाने की प्रथा आज भी विद्यमान है। हमें यह भी ज्ञात है कि नारी

प्रेम, स्नेह, करूणा एवं मातृत्व की प्रतिमूर्ति है। इसलिए जरुरी है की नारी का ख्याल रखना जरुरी है। नारी की दीनहीन दशा देखकर कई समाज सुधारको ने प्रयत्न किया और आज सरकारी स्तर पर इन्हे समान दर्जा प्राप्त है। राजाराम मोहन राय के अथक प्रयास से सती प्रथा का अंत हुआ। फिर नारी की दशा सुधारने के लिए आचार्य विनोवा भावे ,स्वामी विवेकानंद ने भी काम किया। ईश्वर चंद विद्या सागर के प्रयास से विधवाओं की स्थिति सुधारने के लिए विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856 आया। नारी की स्थिति सुधारने के लिए- अनैतिक ब्यपार रोकथाम अधिनियम-1956,दहेज रोक अधिनियम-1961,पारिश्रमिक एक्ट 1976,मेडिकल टर्मेशन ऑफ प्रिगनेंसी एक्ट 1987,लिंग परीक्षण तकनीक(नियंत्रक और गलत इस्तेमाल)एक्ट 1994, बाल विबाह रोकथाम एक्ट 2006,कार्य स्थलो पर महिलाओं का शोषण एक्ट 2013 आदी महिलाओं के सामाजिक,आर्थिक और राजनैतिक स्तर सुधारने के लिए काफी प्रयास किये गये है। विश्व की आधी आबादी महिलाओं की है। लेकिन भारतीय समाज में महिला को वह स्थान आज तक प्राप्त नहीं हो सका है जिसकी वह हकदार है। भारतीय समाज सदैव से ही पुरुष प्रधान माना गया है, लेकिन 21 वीं सदी में अब स्थिति बदलने लगी है। स्त्रियों को पुरुष के समान दर्जा दिया जाने लगा है।आज भारतीय महिलाये प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों से कंधा से कंधा मिलाकर अपना योगदान दे रही है।चाहे बात शिक्षा की हो, बैंकिंग क्षेत्र की हो, स्वास्थ्य की हो,रक्षा की हो,मनोरंजन की हो,रेल चलाने की हो या हवाई जहाज उड़ाने की, आई.टी. क्षेत्र हो अथवा राजनैतिक क्षेत्र हो हर क्षेत्र में सक्रिय हैं। इसके विपरीत हमारे देश में महिलाओं पर अत्याचार की बढ़ती घटनाओं ने भारतीय नारी की सुरक्षा पर ही प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। देश की राजधानी दिल्ली सहित कई प्रदेशों में नारी के साथ अत्याचार अभी भी जारी है। पितृसतात्मक सत्ता में नारी को सम्बल बनाने की जरुरत है ताकि इनकी सामाजिक,आर्थिक और राजनैतिक स्तर सशक्त हो सके। आज समस्त समाज एकजुट होकर , नारी सम्मान एवं उसकी सुरक्षा के सम्मान का संकल्प लेना चाहिये। हम जानते हैं कि नारी के बिना सृष्टि सृजन की कल्पना अधूरी है। जिस प्रकार कोई भी पक्षी एक पंख के सहारे उड़ नहीं सकता, उसी प्रकार नारी के बिना पुरुष की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यदि हम नारी को भयमुक्त वातावरण देने और आत्मसम्मान के साथ खड़ा करने में सहयोगी बन सके, तो यह हमारे और समाज के लिए गर्व की बात होगी। ओनस एसोसिएशन सुशांत गोल्फ सिटी के राम यादव अध्यक्ष, अशोक कुमार, के.के. त्रिपाठी, शकुंतला सिंह, मंजू त्रिपाठी, आकांक्षा शर्मा, प्रोमिता बनर्जी, कविता सिंह, अनिल मिश्रा, रेखा वर्मा, प्रज्ञा अवस्थी, राधा भटनागर, क्षितिज पांडेय (सीजीएम), आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

बलदेवनगर जाने का रास्ता पूछने पर हुआ विवाद

सीतापुर। थाना के कमोलिया रोड स्थित जयपालपुर पुलिया के निकट बलदेवनगर जाने का रास्ता पूछने पर हुआ विवाद। बताते चलें कि इटौंजा क्षेत्र के पृथ्वीपुर निवासी करन पासी अपने भतीजे योगेंद्र के साथ मोटरसाइकिल से रिश्तेदारी में बलदेवनगर थाना अटरिया आया था। रात अधिक होने के कारण वह रास्ता भटक गया। बताया जाता है कि जब वह जयपालपुर पुलिया के पास पहुंचा तो वहां बैठे सुभाष, शेर सिंह तथा शेर सिंह की पत्नी से रास्ता पूछने लगा। आरोप है कि नाम पूछने के बाद पूरा नाम बताने पर तीनों लोग करन और उसके भतीजे योगेंद्र को जातिसूचक गालियां देने लगे और झगड़े पर आमादा हो गए। पीड़ित का आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने उनकी मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त कर दी। घटना के बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दिया है।

बिहार और बंगाल के मुस्लिम बहुल हिस्सों को काटकर केंद्र शासित राज्य बनाना चाहती है सरकार- शाहनवाज़ आलम

➢ साप्ताहिक स्पीक अप कार्यक्रम की 237 वीं कड़ी में बोले कांग्रेस नेता

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाने और आरएन रवि को बंगाल का राज्यपाल बनाये जाने को एक बड़ी साज़िश का हिस्सा होने से इनकार नहीं किया जा सकता. जिसका मकसद बिहार और बंगाल के कुछ हिस्सों को काटकर केंद्र शासित राज्य बनाना हो सकता है. ये बातें कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव शाहनवाज़ आलम ने साप्ताहिक स्पीक अप कार्यक्रम की 237 वीं कड़ी में कहीं. शाहनवाज़ आलम ने कहा कि आरएसएस और भाजपा शुरू से ही बिहार के मुस्लिम बहुल इलाक़े सीमांचल को राजनीतिक तौर पर कमज़ोर करने के लिए इसे बंगाल के मुस्लिम बहुल इलाक़ों के साथ मिलाकर एक अलग केंद्र शासित राज्य बनाने का गुप्त एजेंडा रखता रहा है. इसके तहत वो बिहार के पूर्णिया, अररिया, किशनगंज और कटिहार तथा बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर और माल्दा को बिहार और बंगाल से काटकर कूच विहार के नाम से केंद्र शासित राज्य बना देना चाहता है. क्योंकि उसे डेमोग्राफिक कारणों से इन इलाक़ों में चुनावी सफलता नहीं मिल पाती. उन्होंने कहा कि यहाँ यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि नीतीश कुमार जी को मुख्यमंत्री पद से हटाकर राज्यसभा भेजे जाने से एक हफ़्ते पहले ही गृहमंत्री अमित शाह ने सीमांचल का दौरा किया था जहाँ वो अप्रत्याशित तौर पर 3 दिनों तक रुके थे.शाहनवाज़ आलम ने कहा कि इसी उद्देश्य से सरकार ने तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि को बंगाल भी लाया गया है. क्योंकि आर एन रवि संघीय ढांचे के संवैधानिक भावना के विपरीत केंद्र सरकार के राजनीतिक एजेंडे पर काम करने के लिए बदनाम रहे हैं. यहाँ यह नहीं भूला जा सकता कि तमिलनाडु के सांसदों ने संसद में उन्हें हटाने का प्रस्ताव लाया था. इसके साथ ही तमिलनाडु सरकार को इनके असंवैधानिक आचरण के ख़िलाफ़ सुप्रीम कोर्ट भी जाना पड़ा था. क्योंकि ये राज्य सरकार द्वारा पास विधेयकों पर हस्ताक्षर ही नहीं करते थे।

सपा नेता डा सिंधु जीत ने अपने भारी समर्थकों के साथ अविमुक्तेश्वरानंद का किया भव्य स्वागत

अमेठी। वाराणसी से लखनऊ के लिए शुक्रवार को काफिला अविमुक्तेश्वरानंद महाराज का निकाला जहां पर जगह-जगह लोगों ने उनका स्वागत किया । जौनपुर सुल्तानपुर होते हुए धम्मौर के रास्ते अमेठी जनपद के गौरीगंज नगर पालिका में उनका काफिला रुका अमेठी में सपाइयों ने उनका भव्य स्वागत किया जिसमें गौरीगंज विधानसभा से समाजवादी पार्टी के भाभी उम्मीदवार डॉ सिंधु जीत सिंह ने अपने समर्थकों के साथ उनका स्वागत भव्य किया। कार्यक्रम की जिम्मेदारी समाजवादी पार्टी नेता केडी सरोज के कंधों पर रही उन्हीं के कार्यालय पर समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं में उनका भव्य स्वागत किया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि गौ हत्या बंद हो और उन्होंने कहा कि गेरुवा वस्त्र पहनने से कोई हिंदू नहीं हो सकता है और उन्होंने कहा कि मैं लखनऊ जा रहा हूं 11 तारीख को जन आंदोलन की यात्रा लखनऊ से प्रारंभ होगी सत्ता के नशे में चूर लोग इसको देखेंगे धर्म ध्वज फहराएंगे।इस मौके पर पार्टी के नेता डॉक्टर केडी सरोज एवं पैराशूट प्रत्याशी सिंधु जीत सिंह, जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी राम उदित यादव, अमेठी विधानसभा अध्यक्ष मनीराम बर्मा,राम लखन शुक्ला, महेंद्र यादव, सपा प्रवक्ता एडवोकेट राजेश मिश्रा, विवेक सिंह,सदाशिव यादव सहित सैकड़ो समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा पुलिस की निगरानी रही माहौल बिगाड़ने वालों पर पुलिस निगरानी करती रही शांतिपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पुलिस की पहल से फिर गुलजार हुए दो परिवार, आपसी मनमुटाव भुलाकर साथ रहने को हुए राजी

बस्ती। जनपद में टूटते परिवारों को जोड़ने के लिए चलाए जा रहे आपरेशन साथ-साथ अभियान को शनिवार को बड़ी सफलता मिली। महिला थाना पुलिस की सूझबूझ और काउंसलिंग के बाद दो अलग-अलग परिवारों के पति-पत्नी ने अपने पुराने गिले-शिकवे भुला दिए। दोनों जोड़े अब एक बार फिर साथ रहकर अपना जीवन बिताने को तैयार हैं।

काउंसलिंग से बनी बात

महिला थाना प्रभारी निरीक्षक डॉ. शालिनी सिंह ने बताया कि दो परिवारों के बीच पिछले कई महीनों से अनबन चल रही थी। छोटी-बड़ी बातों को लेकर शुरू हुआ विवाद इस कदर बढ़ गया था कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के साथ रहने से साफ इनकार कर दिया था। मामला थाने पहुंचने के बाद पुलिस टीम ने इसे गंभीरता से लिया और दोनों पक्षों को बुलाकर लंबी काउंसलिंग की। थाना प्रभारी और उनकी टीम के समझाने-बुझाने का असर यह हुआ कि दोनों जोड़ों को अपनी गलतियों का एहसास हुआ। शनिवार को महिला थाने में ही दोनों पक्षों के बीच सुलह-समझौता कराया गया। इसके बाद पति-पत्नी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और साथ रहने का संकल्प लेकर थाने से विदा हुए। इस सफल प्रयास में प्रभारी निरीक्षक डॉ. शालिनी सिंह के साथ महिला थाने की पुलिस टीम का विशेष योगदान रहा।

उदयप्रताप सिंह को फिर मिली मुंबई भाजपा प्रवक्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

मुंबई। मुंबई भाजपा अध्यक्ष एडवोकेट अमित साटम द्वारा आज जारी सूची में उदयप्रताप सिंह को एक बार फिर मुंबई भाजपा प्रवक्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा प्रवक्ता के रूप में उदय प्रताप सिंह लगातार पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाते रहे हैं। मीडिया में उनकी लगातार सक्रियता और समर्पित भावना के साथ की जा रही कार्यशैली को देखते हुए पार्टी द्वारा उन्हें एक बार फिर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। पत्रकार संघ द्वारा पत्रकार मित्र पुरस्कार से सम्मानित उदयप्रताप सिंह ने दी गई जिम्मेदारी के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मुंबई भाजपा अध्यक्ष एडवोकेट अमित साटम के अलावा सभी शीर्ष नेताओं का आभार मानते हुए कहा कि वे दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरे मनोयोग पूर्वक करते हुए पार्टी के प्रचार प्रसार और उसकी नीतियों को जन-जन तक पहुं का काम पूर्ववत करते रहेंगे।

12 मार्च को राजकीय आईटीआई अलीगंज, लखनऊ में कैंपस भर्ती अभियान

लखनऊ। युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 12 मार्च 2026 को राजकीय आईटीआई अलीगंज लखनऊ में कैंपस भर्ती अभियान आयोजित किया जाएगा। यह भर्ती अभियान डॉ. रेड्डी फाउंडेशन द्वारा नियोक्ता सैडेन विकास ग्रुप के सहयोग से वर्चुअल माध्यम से संचालित किया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से आईटीआई पास आउट अभ्यर्थियों तथा दिव्यांग उम्मीदवारों को रोजगार एवं शिक्षुता के अवसर प्रदान किए जाएंगे। इस भर्ती अभियान के माध्यम से युवाओं को उद्योगों से जोड़ते हुए उनके कौशल के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

समाजवादी कैम्प कार्यालय पीलीभीत में समाजवादी पार्टी की जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक का आयोजन

आज दिनांक 07 मार्च 2026 को नकटादाना स्थित केजीएन-2 समाजवादी कैम्प कार्यालय पीलीभीत में समाजवादी पार्टी की जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संगठन को और मजबूत बनाने के लिए अपने विचार व्यक्त किए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी की मजबूती का आधार उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय होकर कार्य करना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान, पिछड़े और वंचित समाज की आवाज़ बनकर संघर्ष करती रही है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और समाजवादी विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी मेहनत, निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें। जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए संघर्ष

करना ही समाजवादी पार्टी की असली पहचान है। 15 मार्च को मान्यवर काशीराम जी की जयंती को प्रिया दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां फूलबाबू ने भी बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ही वह राजनीतिक शक्ति है जो देश और प्रदेश में सामाजिक न्याय, समानता, भाईचारा और विकास की राजनीति को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज देश और प्रदेश की जनता समाजवादी विचारधारा की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पार्टी की असली ताकत उसके जुझारू और कर्मठ कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास के दम पर समाजवादी पार्टी लगातार मजबूत हो रही है और आने वाले चुनावों में निश्चित रूप से समाजवादी विचारधारा की जीत होगी। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती, आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियान तथा क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को सामने रखा और उन्हें प्राथमिकता के साथ उठाकर जनता को राहत दिलाने का संकल्प लिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए गांव-गांव, मोहल्ला-मोहल्ला जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा, ताकि आम जनता को समाजवादी पार्टी की सोच और संघर्ष से जोड़ा जा सके। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन को और मजबूत बनाने तथा जनता के हितों के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया। मासिक बैठक का संचालन 127 विधानसभा अध्यक्ष हाजी इम्तियाज़ अल्वी ने किया। इस दौरान मुख्य रूप से सपा जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, बीडी प्रजापति,रूपराम कश्यप,सयुस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू,गयासुद्दीन मंसूरी, शरफुद्दीन नूरी,कुलवंत सिंह,संजय खान,मो. नाविर अली मंसूरी,बलकार सिंह,पलविंदर सिंह, रियाज खान,संदीप सक्सेना,अमर सिंह, सैय्यद रेहान कादरी,गुरदीप सिंह, शखावत अली,पुनीत कुमार,डॉ मो.यूसुफ,राममूर्ति वर्मा,महेश पटेल,रमेश सिंह,आसिफ खान,हरगोविंद गंगवार,नरेंद्र गिरि,जमाल शाह,मो.रज़ा अंसारी,नफीस अहमद सभासद,निरंजन गंगवार,मो.जफर अंसारी,राकेश कुमार वर्मा,अमित पाठक,केके पाल,शांतिस्वरूप वर्मा,ज्योति प्रकाश शुक्ला एडवोकेट,आशीष कुमार एडवोकेट,फैज अहमद,रमेश राजा,अफजल हुसैन,विपिन कुमार,निजाकत अली,मो.उमर,मुजाहिद इस्लाम,मो.नाजिर खान, फिरासत नूर खान,नाजिर खान,मो.सादिक,शकील खान आदि तमाम सम्मानित नेतागण पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

राकेश चंदोला : पुनर्जीवन से जागरण तक सेवा, संतुलन और सफलता की प्रेरक यात्रा

उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी राकेश चंदोला आज एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व के रूप में उभरकर सामने आए हैं। संघर्षों से जूझते हुए उन्होंने न केवल स्वयं को पुनर्जीवित किया, बल्कि हजारों लोगों के जीवन में संतुलन और जागरूकता की नई रोशनी भी जगाई है। श्री जगदीश चंदोला के सुपुत्र राकेश चंदोला वर्तमान में एक प्रतिष्ठित UDHW Life Coach हैं तथा C A सहित 7 Financial Degrees के धारक हैं। वर्ष 2026 में उन्हें अटल सम्मान पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया, जो उन्हें सेवा कार्य में उत्कृष्ट सहयोग के लिए प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त उन्हें अब तक 9 राष्ट्रीय एवं प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाज़ा जा चुका है, जिनमें India Book of Records, Youth Icon of the Year, Best Mind & Body Therapist Award, Naturopathy E&cellence Award, Dynamic Healer Award, तथा Ayush

Ratna Award सहित अन्य विशिष्ट सम्मान शामिल हैं। जीवन के एक कठिन दौर में वे 17 गंभीर बीमारियों से जूझे। परिस्थितियाँ अत्यंत चुनौतीपूर्ण थीं, किंतु उन्होंने हार नहीं मानी। संघर्ष ने उन्हें कमजोर नहीं किया, बल्कि भीतर से सशक्त बनाया। आज वे Physical, Mental, Emotional और Financial Health के समग्र संतुलन के माध्यम से लोगों को जागरूक और संतुलित जीवन की दिशा प्रदान कर रहे हैं। वे अपनी इस प्रेरक यात्रा का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुओं, इष्ट माँ गायत्री, शुभचिंतकों एवं परिवार को देते हैं। उनका विश्वास है कि हर उपलब्धि ईश्वर की कृपा और सामूहिक आशीर्वाद का परिणाम है। आज राकेश चंदोला उन सभी लोगों के लिए प्रेरणा हैं।

'इंडस्ट्री में हमेशा सम्मान मिला'

सनी लियोनी ने बताया कैसे की 'कैनेडी' की तैयारी, अनुराग कश्यप पर कही ये बात

सनी लियोनी अनुराग कश्यप की आगामी फिल्म 'कैनेडी' में एक अलग अवतार में नजर आएंगी। अब अभिनेत्री ने फिल्म, अपने किरदार और अपनी बायोग्राफी को लेकर बात की। जानिए अनुराग कश्यप को लेकर एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा3 सनी लियोनी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कैनेडी' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह वही फिल्म है जो 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई थी। फिल्म को कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में काफी सराहना भी मिली है। अब फिल्म भारत में रिलीज को तैयार है। इस बीच अमर उजाला से हुई खास बातचीत के दौरान सनी लियोनी ने इस फिल्म, अपने पंद्रह साल के सफर और अपनी बायोग्राफी पर भी चर्चा की। फिल्म में आपने चार्ली का किरदार निभाया है। कैसा अनुभव रहा? जब मैं अपने सफर पर नजर डालती हूं तो लगता है कि इतने वर्षों बाद भी 'कैनेडी' मेरे भीतर कहीं न कहीं जिंदा है। मुझे बहुत खुशी है कि यह फिल्म अब ऑडियंस के सामने आने वाली है। मैं इतने समय से इसे अपने भीतर लेकर चल रही थी। अब इसे लोगों तक पहुंचते देखना मेरे लिए बेहद भावुक क्षण है। चार्ली का किरदार अपने आप में एक रहस्य जैसा था। इसमें कई परतें और कई तरह की ऊर्जा थीं। मुझे उसे खुद में उतारना था ताकि वह मेरा हिस्सा बन जाए। निर्देशक अनुराग कश्यप की आवाज और उनका समझाने का तरीका मेरे लिए मार्गदर्शन बनता था। हम रोज काम शुरू करने से पहले पढ़ते और सुनते थे। फिर समझते और कुछ नया खोजते थे। फिल्म का कौन सा अनुभव सबसे खास रहा? अनुराग सर ने मुझसे कहा था कि चार्ली की हंसी बिल्कुल वैसी ही चाहिए जैसी वह कल्पना कर रहे हैं। इस हंसी को अपने भीतर लाना मेरे लिए आसान नहीं था। मुझे हर जगह हंसना पड़ता था। कार और लिफ्ट में भी हंसना पड़ता था। सेट पर इतने लोग होते थे कि वे मुझे देखकर सोचते थे कि मैं क्यों हंस रही हूं। कई बार मुझे लगता था कि लोग मुझे पागल समझ रहे होंगे। सच कहूं तो यह बात मुझे और मजेदार लगती थी क्योंकि मुझे मस्ती करना पसंद है और यह चार्ली वाली मस्ती एक अलग तरह की आजादी देती थी। धीरे-धीरे वह हंसी मेरे भीतर बस गई। इससे मैं चार्ली को गहराई से महसूस कर पाई। ये बात मैं कभी भूल नहीं सकती। क्या अनुराग कश्यप के सामने अपनी बात रखना आसान होता है? अनुराग कश्यप के साथ काम करते हुए मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करती थी। बाहर से लोग सोचते हैं कि वह गंभीर या कठोर होंगे। लोग उनकी फिल्मों या कहानियां देखकर उनके बारे में एक इंटेंस पर्सनालिटी की छवि बना लेते हैं। पर असल में वह बहुत नरमदिल व्यक्ति हैं। उनके सामने बैठकर बात करते समय हमेशा लगता था कि मेरी बात को महत्व मिल रहा है। हर कलाकार को यह एहसास नहीं मिलता कि उसे सुना जा रहा है। उन्होंने मुझे वही बनने दिया जो मैं उस पल बनना चाहती थी। यही वजह है कि उनसे जुड़ा हर अनुभव मेरे दिल में खास जगह रखता है। जब इस फिल्म को कान फिल्म फेस्टिवल में एंट्री मिली तो पहला रिएक्शन क्या था? उस वक्त जो खुशी मिली थी उसे शब्दों में नहीं बांधा जा सकता। वहां मुझे एक छोटा सा कागज मिला था, जिसमें मेरी सीट का नंबर लिखा था। वही मेरे लिए सबसे बड़ा अवॉर्ड था। उस टिकट को मैंने आज भी एक किताब के भीतर संभाल कर रखा है। क्या आपको लगता है कि आपकी बायोपिक का सेकंड पार्ट आना चाहिए ? बिल्कुल, मेरी बायोपिक शकरणजीत कौररू द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सनी लियोनी' 2018 में रिलीज हुई थी। उस वक्त प्रोडक्शन के कुछ मसलों के चलते इसका दूसरा भाग नहीं आ सका पर मेरी अपनी कहानी में अब भी बहुत सारे अध्याय बाकी है, जिन्हें दुनिया ने न देखा न सुना है। मौका मिला तो मैं अवश्य अपना जीवन फिर से खोलकर रखना चाहूंगी। सफलता की सबसे बड़ी परिभाषा क्या है? अवॉर्ड्स कितने मायने रखते हैं? मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंचूंगी। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में जब आप दूसरों की सफलताए देखते हैं, तो मन में एक छोटी सी इच्छा उठती है। लगता है कि काश मुझे भी कोई ऐसा अवसर मिले जिसमें मुझे पहचान मिले। यह भावना हर कलाकार के भीतर होती है और मेरे भीतर भी थी। लेकिन मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मैं एक दिन यहां बैठकर अपने प्रोजेक्ट के बारे में इस तरह बात करूंगी। 15 वर्ष हो चुके हैं और मैं बहुत खुश हूं कि मैं इस मुकाम पर हूं। मेरे जीवन में ऐसे लोग हैं जो हर कदम पर मुझे ऊपर उठाते हैं और आगे बढ़ने की ताकत देते हैं। मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूं। 15 साल बाद आपकी सबसे बड़ी सीख क्या रही? पंद्रह वर्ष इंडस्ट्री में बिताने के बाद मैं यह कह सकती हूं कि मुझे कोई भयावह अनुभव नहीं मिला। मेरे आसपास हमेशा ऐसे लोग रहे जिन्होंने मुझे सुरक्षा और सम्मान दिया। मेरे पति डेनियल वेबर हमेशा एक ढाल बनकर मेरे साथ खड़े रहे। पेशेवर स्तर पर महामारी के बाद इंडस्ट्री में बहुत बदलाव आए। ऑडियंस अब दुनिया भर की कहानियां देखते हैं और कंटेंट को नए नजरिए से समझते हैं। मुझे लगता है कि भारत को वैश्विक सिनेमा की कतार में पहले की तुलना में और मजबूती से खड़ा होना चाहिए। यह देखकर बहुत संतोष होता है कि यह बदलाव अब हो रहा है। हमारे देश के दर्शक कहानियां अपनाने में बहुत उदार हैं। वे नई चीजें देखने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। यह वाकई प्रशंसनीय है।

2018 में रिलीज हुई कल्ट हॉरर फिल्म तुम्बाड के सीक्वल को लेकर इंडस्ट्री में जबरदस्त चर्चा है। हाल ही में अभिनेता-निर्माता सोहम शाह ने आधिकारिक तौर पर पेन स्टूडियोज के साथ हाथ मिलाया है। इस स्टूडियो के प्रमुख अनुभवी निर्माता जयंतीलाल गड़ा हैं। आरआरआर और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी भव्य फिल्मों से जुड़ चुका यह बैनर अब तुम्बाड 2 के साथ डार्क सिनेमैटिक यूनिवर्स को और बड़े स्तर पर ले जाने की तैयारी में है। विलेन की कास्टिंग पर बड़ा सस्पेंस सूत्रों के मुताबिक, तुम्बाड 2 में विलेन का किरदार बेहद अहम होने वाला है। मेकर्स चाहते हैं कि इस बार कहानी में ऐसा नेगेटिव किरदार हो जो सिर्फ डरावना ही नहीं, बल्कि मानसिक और नैतिक रूप से भी जटिल हो। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया, टीम सीक्वल में एक बेहद मजबूत और परतदार विलेन लाना चाहती है। फिलहाल अक्षय खन्ना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के नामों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। दोनों कलाकार ग्रे और अनपेक्षित किरदारों में माहिर हैं, जो तुम्बाड की दुनिया में बिल्कुल फिट बैठते हैं। सूत्र ने यह भी कहा कि मेकर्स ऐसा किरदार गढ़ना चाहते हैं जो सोहम शाह के किरदार को तीव्रता और गहराई में कड़ी टक्कर दे सके। 'तुम्बाड' से 'तुम्बाड 2' तक का सफर 2018 में रिलीज हुई तुम्बाड शुरुआत में स्लीपर हिट रही, लेकिन बाद में यह एक कल्ट फिल्म बन गई। 2024 में हुई इसकी री-रिलीज ने फिल्म की लोकप्रियता को नई ऊंचाई दी और नई पीढ़ी के दर्शकों को इसकी पौराणिक और मनोवैज्ञानिक हॉरर दुनिया से जोड़ा। अब खबर है कि तुम्बाड 2 इस साल की शुरुआत में फ्लोर पर जा सकती है। सोहम शाह अपनी प्रोडक्शन कंपनी सोहम शाह फिल्म्स के तहत इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रहे हैं और फिल्म की टोन व पौराणिक गहराई को बरकरार रखने पर खास जोर दे रहे हैं। पेन स्टूडियोज की मजबूत प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन ताकत के साथ, और विलेन की कास्टिंग को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच, तुम्बाड 2 को इस समय बन रही सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में गिना जा रहा है। हालांकि अभी आधिकारिक कास्टिंग अनाउंसमेंट बाकी है, लेकिन इंडस्ट्री में यह साफ संकेत है कि तुम्बाड यूनिवर्स का अगला अध्याय पहले से ज्यादा डार्क, भव्य और तीव्र होने वाला है।

साउथ सिनेमा के स्टार विजय देवरकोंडा और एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना काफी समय से एक दूसरे को डेट के रहे थे. अब फाइनली दोनों शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं. ये कपल 26 फरवरी को शादी रचाने वाला हैं. हाल ही में कपल का वेडिंग कार्ड सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद इन खबरों पर मुहर लग गई है. ऐसे में अब फैंस यह जानने के लिए एक्साइटेड हैं कि नेटवर्थ के मामले में आखिर दोनों में से कौन ज्यादा अमीर है और किसकी कमाई ज्यादा है. आइए बताते हैं. विजय देवरकोंडा की नेटवर्थ विजय देवरकोंडा ने अपनी दमदार एक्टिंग से साउथ इंडस्ट्री में खास जगह बनाई है. उन्होंने अपने फिल्मी करियर में काफी शानदार फिल्म दी हैं और अपने काम के जरिए उन्होंने आज करोड़ों की संपत्ति बनाई हैं. नेटवर्थ की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विजय 50 से 70 करोड़ रुपए के मालिक हैं. वो अपनी एक फिल्म के लिए 15 करोड़ फीस चार्ज करते हैं. फिल्मों के अलावा विजय के पास ब्रांड एन्डोर्समेंट्स, प्रोडक्शन हाउस और अपने फैशन ब्रांड त्वूकल ंमत जैसे बिजनेस हैं, जो उनकी कमाई का जरिया हैं. सोशल मीडिया पोस्ट्स और एड एक्टिविटीज से भी विजय लाखों कमाते हैं. विजय का हैदराबाद में आलीशान बंगला है. उनका घर काफी क्लासी और लग्जूरियस है. जिसकी कीमत लगभग 15 करोड़ रुपये आंकी जाती है. उनके पास करोड़ों की गाड़ियां भी हैं, जिसमें ठडॅ 5 ैमतपमे, थ्वतक डनेजंदह, त्ंदहम त्वअमत, टवसअव ग्ब्90 और भी लग्जरी व्हीकल्स शामिल हैं. रश्मिका मंदाना की नेटवर्थ रश्मिका मंदाना साउथ की टॉप एक्ट्रेसेज में से एक हैं. उन्होंने ने भी अपने करियर में काफी बेहतरीन फिल्में दी हैं. आज एक्ट्रेस करोड़ों की संपत्ति की मालकिन हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रश्मिका की नेटवर्थ 66-70 करोड़ के बीच में है. रश्मिका फिल्मों, ब्रांड एंडोर्समेंट से मोटी कमाई करती हैं.

अपनी हर एक फिल्मों के लिए वो 4-8 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं. रश्मिका बेंगलुरू के एक आलीशान घर में रहती हैं जिसकी कीमत 8 करोड़ रुपये बताई जाती है. रिपोर्ट के मुताबिक, इसके अलावा उनकी मुंबई, गोवा, कूर्ग और हैदराबाद जैसी जगहों पर भी प्रॉपर्टीज हैं. बात करें रश्मिका के कार कलेक्शन की तो उनके गैराज में कई लग्जरी कारें शामिल हैं, जिसमें ।नकप फ3, त्ंदहम त्वअमत चवतज, डमतबमकमे-ठमद्र ब्-ब्सें, ज्वलवजं प्ददवअं और भ्लनदकंप ब्तमजं है.

प्राग अंतर्राष्ट्रीय शतरंज में वर्ल्ड चौंपियन गुकेश को झेलनी पड़ी हार, अरविंद चिदंबरम ने दी मात

प्राग अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के छठे दौर में सटी रणनीति अपना कर अरविंद चिदंबरम ने अपने हमवतन डी गुकेश को हराया। जिससे मौजूदा फिड़े वर्ल्ड चौंपियन अंतिम स्थान पर खिसक गया। अरविंद की जीत का मतलब है कि गुकेश अब लाइव रेटिंग सूची में 20वें स्थान पर खिसक गए हैं। किसी प्रतियोगिता में नहीं खेलने के कारण विश्वनाथन आनंद इस सूची में शामिल नहीं हैं। दिसंबर 2024 में खिताब जीतने के बाद से गुकेश को वर्ल्ड चौंपियन का अपना रुतबा बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। जनवरी 2025 में टाटा स्टील मास्टर्स टूर्नामेंट एकमात्र अपवाद था जब पहले स्थान के लिए खेले गए टाईब्रेकर में वह हमवतन आर प्रज्ञानंद से हार गए थे। अरविंद ने काले मोहरों से खेलते हुए फिलिडोर डिफेंस का प्रयोग बुरी तरह विफल होने के बाद सिसिलियन डिफेंस अपनाया। गुकेश के लिए मुश्किलें कड़ी करना आसान था क्योंकि मिडिल गेम के शुरू में उन्होंने अपना एक प्यादा कुर्बान कर दिया था। अरविंद ड्रॉ से खुश हो जाते लेकिन गुकेश ने 40वीं चाल में गलती की। अरविंद ने इसका फायदा उठाकर 48 चाल में जीत हासिल कर दी।

पर्थ में मैच से पहले हुआ किट को लेकर हुआ बवाल

एएफसी विमेंस एशियन कप के आगाज के एक दिन पहले पर्थ में भारतीय महिला फुटबॉल टीम भड़क गई। खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि उन्हें टूर्नामेंट के लिए सही फिटिंग वाली मैच किट तक नहीं उपलब्ध कराई गई, जिससे उनके मनोबल और तैयारी पर असर पड़ा। कप्तान समेत 26 खिलाड़ियों ने संयुक्त रूप से पत्र लिखकर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के सामने पेशेवर मानकों की कमी का मुद्दा उठाया। एआईएफएफने जूनियर टीमों के लिए बनी छोटी किट ऑस्ट्रेलिया में सीनियर टीम को भेजी थी। बड़े मुकाबले से पहले उठे इस किट विवाद ने एआईएफएफ में कुप्रबंधन को उजागर किया है। भारतीय टीम बुधवार चार मार्च 2026 को पर्थ में वियतनाम के खिलाफअपना पहला मैच खेलेगी। उससे पहले टीम की सभी 26 खिलाड़ियों ने एआईएफएफके उपमहासचिव एम सत्यनारायणन को पत्र लिखकर उचित कपड़ों और खेल किट की कमी पर निराशा जाहिर की। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक पत्र में कहा गया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पेशेवर मानकों को पूरा करना जरूरी होता है। जिसमें खिलाड़ियों को फिट आने वाली उचित पोशाक भी शामिल है।

संजू सैमसन ने किया कारनामा, टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 भारतीय

टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफसंजू सैमसन आए और छा गए। वहीं, अब टी20 वर्ल्ड कप 2026 में संजू ने फाइनल से पहले सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में टॉप 3 में एंट्री कर ली। संजू ने वेस्टइंडीज और फिर सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ कमाल की पारी खेली और दोनों मैचों में भारत की जीत के हीरो रहे। संजू ने दिखाया कि अहम मौकों पर वो टीम के लिए क्या कुछ कर सकते हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल रविवार को होगा, लेकिन उससे पहले बात अगर टीम इंडिया के लिए इस टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 खिलाड़ियों की बात की जाए तो ईशान किशन अब नंबर वन पर आ गए हैं। सेमीफाइनल से पहले तक सूर्यकुमार पहले स्थान पर थे, लेकिन अब तस्वीर फिलहाल तो बदल गई और कप्तान सूर्या दूसरे नंबर पर आ गए और संजू ने अपनी धाकड़ बल्लेबाजी के दम पर तीसरे स्थान पर कब्जा कर लिया। बता दें कि, संजू सैमसन ने इस टूर्नामेंट में भारत के लिए अब तक कुल 4 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 2 फिफ्टी के साथ 232 रन बनाए हैं। इन 4 मैचों में संजू ने कुल 115 गेंदों का सामना किया है। इन गेंदों पर उन्होंने ये रन बनाने में सफलता हासिल की और तीसरे स्थान पर हैं। वहीं ईशान किशन ने 8 मैचों में 263 रन बनाए हैं और भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं जबकि दूसरे स्थान पर टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्यकुमार यादव ने इस टूर्नामेंट में अब तक खेले 8 मैचों में 242 रन एक फिफ्टी की मदद से बनाए हैं और उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 84 रन रहा है। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर शिवम दुबे हैं जो लगातार भारत के लिए अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं।

मैच का पासा पलटने वाले पल

दुबे का प्रमोशन, अक्षर के कैच और बूम-बूम-बुमराह

मुंबई। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफइनल में भारत ने इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फइनल में जगह बनाई। संजू सैमसन की 89 रन की पारी, जसप्रीत बुमराह का शानदार ओवर, अक्षर पटेल का बेहतरीन कैच और आखिरी ओवर की रणनीति इस जीत के सबसे बड़े टर्निंग पॉइंट साबित हुए। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 विश्वकप 2026 का दूसरा सेमीफइनल रोमांच से भरा रहा। मुंबई के वानखेड़े में खेले गए इस मुकाबले में 253 रन बनाने के बावजूद इंग्लिश टीम आखिरी ओवर तक टक्कर में रही। हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों ने दबाव झेलते हुए और आखिरी पलों में नब्ज पर काबू रखते हुए सात रन से जीत हासिल की और लगातार दूसरी बार टी20 विश्वकप के फइनल में जगह बनाई। अब आठ मार्च यानी रविवार को फइनल में अहमदाबाद में टीम इंडिया का सामना न्यूजीलैंड से होगा। दूसरे सेमीफइनल में टीम इंडिया के कई फैसले मास्टरस्ट्रोक साबित हुए। चाहे बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, उन फैसलों ने टर्निंग पॉइंट का काम किया और मैच का पासा पलट गया। आइए हम मैच के उन्हीं टर्निंग पॉइंट्स पर नजर डालते हैं... 1. शिवम दुबे को बैटिंग में प्रमोट करना अभिषेक शर्मा का बल्ला एक बार फिर नहीं चला और वह दूसरे ओवर में विल जैक्स की गेंद पर आउट हो गए। अभिषेक नौ रन बना सके। फिर ईशान किशन के साथ सैमसन ने दूसरे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी निभाई। ईशान (39) भी 10वें ओवर में आउट हो गए। इस विश्वकप में चौथे नंबर पर कप्तान सूर्यकुमार ही उतरे हैं, लेकिन यहां टीम मैनेजमेंट ने सूझबूझ दिखाते हुए शिवम दुबे को भेजा और यह फैसला मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ। उस वक्त इंग्लैंड के स्टार स्पिनर आदिल रशीद गेंदबाजी कर रहे थे और उन्होंने ही ईशान किशन का विकेट चटकाया था। दुबे को आदिल को ही काउंटर करने के लिए भेजा गया और दुबे ने यह काम बखूबी निभाया। उन्होंने बीच के ओवरों में भारत के रन रेट को कम नहीं होने दिया और रशीद के दो ओवरों में तीन छक्के जड़ दिए। इंग्लैंड के स्पिन अटैक को नेस्तनाबूद कर दिया। दुबे को प्रमोट करने के टीम मैनेजमेंट के फैसले की वाकई सराहना हो रही है। दुबे ने 25 गेंद में 43 रन बनाए। 2. ब्रूक ने सैमसन का कैच ड्रॉप किया भारत की जीत की सबसे बड़ी नींव संजू सैमसन की धमाकेदार बल्लेबाजी रही। उन्होंने सिर्फ42 गेंदों में 89 रन की शानदार पारी खेली और इंग्लैंड के गेंदबाजों को शुरुआत से ही दबाव में ला दिया। सैमसन को शुरुआती ओवरों में जीवनदान भी मिला जब इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। भारतीय पारी के तीसरे ओवर में जोफ्रा आर्चर की गेंद पर सैमसन ने मिड ऑन पर शॉट लगाया और गेंद सीधे ब्रूक के हाथों में गई, लेकिन उनके हाथ से छिटक गई। तब सैमसन 15 रन पर थे। इस गलती का सैमसन ने पूरा फायदा उठाया। और भारत के स्कोर में 75 रन और जोड़े। उन्होंने सात छक्के लगाते हुए इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी को तहस-नहस कर दिया। उनकी इस पारी ने भारत को 250 से ज्यादा स्कोर बनाने का मजबूत प्लेटफॉर्म दिया। मैच के बाद ब्रूक ने कहा भी कि कैच छोड़ना उनकी सबसे बड़ी गलती थी।

प्लेयर ऑफद टूर्नामेंट के लिए ये खिलाड़ी नॉमिनेट, संजू सैमसन का नाम भी शामिल

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का समापन होने वाला है। जिसका फाइनल मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। हालांकि, इस मुकाबले से पहले पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले 8 खिलाड़ियों को प्लेयर ऑफद टूर्नामेंट अवार्ड के लिए शॉर्ट लिस्ट कर लिया गया है। इस लिस्ट में भारतीय ओपनर संजू सैमसन का भी नाम शामिल है। जिन्होंने अपने आखिरी दो मैच में धमाकेदार पारी खेली है। उनके अलावा पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान का नाम भी है। प्लेयर ऑफटूर्नामेंट अवॉर्ड के लिए ये 8 खिलाड़ी नॉमिनेट विल जैक्स इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स ने अपनी टीम को टी20 वर्ल्ड कप में आठ में से 6 मैच जिताने में अहम भूमिका निभाई। इशमें जैक्स को चार बार प्लेयर ऑफद मैच चुना गया। उन्होंने टूर्नामेंट में 8 मैच में 176.56 के स्ट्राइक रेट से कुल 226 रन बनाए। साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाज के तौर पर जैक्सने इंग्लिश टीम के लिए 9 विकेट भी लिए हैं। साहिबजादा फरहान पाकिस्तान का भले ही टी20 वर्ल्ड कप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन रहा हो। लेकिन पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान के एक खिलाड़ी साहिबजादा फरहान ही चमके। इस टूर्नामेंट में फरहान ने 6 पारियों में 76.60 औसत से 383 रन बनाए और एक ही टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी बनाया। फरहान एक ही टी20 वर्ल्ड कप में दो शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका और नामीबिया के खिलाफ शतक जड़ा था। लुंगी एनगिडी साउथ अफ्रीका के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में लुंगी एनगिडी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में खेले 7 मैच में 12 विकेट अपने नाम करने में सफल रहे। एनगिडी ने टूर्नामेंट की शुरुआत कनाडा के खिलाफ4 विकेट लेकर की, फिर अफगानिस्तान के खिलाफ 3 विकेट चटकाया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफभी सुपर 8 में तीन विकेट झटके थे। भारत के खिलाफ भले ही उन्होंने विकेट न मिले, लेकिन उन्होंने 4 ओवर में महज 15 रन दिए थे। एडेन मार्करम साउथ अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने इस टूर्नामेंट में अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया। उन्होंने 8 मैचों में तीन अर्धशतक के बदौलत 286 रन बनाए। हालांकि, मार्करम की कप्तानी वाली साउथ अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ9 विकेट से हार गई। रचिन रविंद्र न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने इस टूर्नामेंट में अपने बल्ले के साथ गेंद से भी टीम के लिए अहम योगदान दिया। पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-8 का पहला मैच बारिश से धुल गया लेकिन रचिन ने श्रीलंका के खिलाफ मैच में अपनी टीम को बढ़त दिलाई। उन्होंने 32 रन बनाए और 4द27 लेकर श्रीलंका को 107द8 पर रोक दिया। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 3द19 लिए, हालांकि, उनकी टीम का हार का सामना करना पड़ा। संजू सैमसन आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने भारत के पिछले दो मैचों में लगातार धमाकेदार प्रदर्शन किया, जिसके लिए उन्हें दोनों मैचों में प्लेयर ऑफद मैच चुना गया। पहले वेस्टइंडीज के खिलाफसुपर-8 के अहम मुकाबले में सिर्फ50 गेंदों में नाबाद 97 और फिर इंग्लैंड के खिलाफसेमीफाइनल में 42 गेंदों में तेज 89 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। शैडली वैन शाल्कविक इस लिस्ट में अमेरिका के शैडली वैन शाल्कविक का नाम भी शामिल है। जिन्होंने इस टूर्नामेंट में कमाल का प्रदर्शन किया।

दर्शकों के दुर्व्यवहार के कारण मोहन बागान पर जुर्माना लगाया

मोहन बागान ने 23 फरवरी को खेले गए मैच में चेन्नईयिन एफसी को 2-0 से हराया था। इस मैच के दौरान दर्शकों ने कथित दुर्व्यवहार किया था। मोहन बागान ने कहा, '' हम एआईएफएफकी अनुशासनात्मक समिति के छह मार्च को होने वाले हमारे घरेलू मैच के लिए स्टेडियम को पूरी तरह से बंद करने के फैसले से बेहद निराश हैं।''

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की अनुशासनात्मक समिति ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के पिछले मैच में दर्शकों के कथित दुर्व्यवहार के कारण मोहन बागान सुपर जायंट्स पर जुर्माना लगाया है और आदेश दिया है कि ओडिशा एफसी के खिलाफ होने वाला अगला मैच खाली स्टेडियम में खेला जाए। क्लब ने कहा कि उसने जुर्माना स्वीकार कर लिया है और उसकी यहां साल्ट लेक स्टेडियम में छह मार्च को होने वाले मैच के लिए दर्शकों पर प्रतिबंध के खिलाफ की गई अपील खारिज कर दी गई है। इसका खुलासा नहीं किया गया है कि मोहन बागान पर कितना जुर्माना लगाया गया है। मोहन बागान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''एआईएफएफ की अनुशासनात्मक समिति ने चेन्नईयिन एफसी के खिलाफ मैच के दौरान दर्शकों के कथित दुर्व्यवहार के आरोप में मोहन बागान सुपर जायंट्स पर जुर्माना लगाया है जिसे उसने स्वीकार कर लिया है। एआईएफएफ ने हालांकि छह मार्च को ओडिशा एफसी के खिलाफहमारे घरेलू मैच के लिए स्टेडियम को पूरी तरह से बंद करने का आदेश देकर कड़ा फैसला किया है।'' मोहन बागान ने 23 फरवरी को खेले गए मैच में चेन्नईयिन एफसी को 2-0 से हराया था। इस मैच के दौरान दर्शकों ने कथित दुर्व्यवहार किया था। मोहन बागान ने कहा, '' हम एआईएफएफकी अनुशासनात्मक समिति के छह मार्च को होने वाले हमारे घरेलू मैच के लिए स्टेडियम को पूरी तरह से बंद करने के फैसले से बेहद निराश हैं।''

अर्थ जगत

गिरावट के साथ खुला शेयर बाजारय संेसेक्स 572 अंक टूटा, निफ्टी 24600 के नीचे

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। वहीं पिछले दिन गुरुवार को 30 शेयरों वाला बीएसई संेसेक्स 899.71 अंक उछलकर 80,015.90 अंक पर बंद हुआ था, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 285.40 अंक की बढ़त के साथ 24,765.90 पर बंद हुआ था। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष और विदेशी निधियों की निरंतर निकासी के बीच एक दिन की राहत के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक संेसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी शेयर बाजारों में कमजोरी और एशियाई बाजारों में सुस्त रुझान ने भी बाजार की भावनाओं को प्रभावित किया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई संेसेक्स 572.43 अंक गिरकर 79,443.47 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 178.75 अंक गिरकर 24,587.15 पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया स्थिर रहा और 2 पैसे बढ़कर 91.62 पर पहुंच गया। यह बढ़त अमेरिका द्वारा भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की छूट की घोषणा के बाद हुई, जिससे पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा प्रवाह पर दबाव कम हुआ। संेसेक्स की कंपनियों का हाल संेसेक्स पैक में, आईसीआईसीआई बैंक, इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल थे। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। क्या है विशेषज्ञों की राय? जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजिस्ट वी.के. विजयकुमार ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में करीब 16 प्रतिशत की बढ़त हुई है, लेकिन यह पिछले भू-राजनीतिक संकटों के मुकाबले बड़ी तेजी नहीं है। इसका कारण वैश्विक बाजार में तेल की संभावित बड़ी आपूर्ति है। उन्होंने कहा कि अगर पश्चिम एशिया में तनाव कम होता है तो कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आ सकती है और बाजारों में फिर से तेजी देखने को मिल सकती है। विजयकुमार के अनुसार, जब तक ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहती है, तब तक बाजार पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा।

निवेशक चिंतित: पश्चिम एशिया युद्ध का असर अमेरिकी शेयर बाजार पर, डाउ जोंस से नैस्डैक तक, कितना कमजोर हुआ बाजार?

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में संघर्ष की आग और तेल की भयंकर बढ़ोतरी ने गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजार को झकझोर दिया। डाउ जोंस 1,046 पॉइंट लुढ़का, ै-च् 500 और नैस्डैक भी कमजोर हुए। ब्रेंट क्रूड 7,821 रुपये और अमेरिकी क्रूड 7,403 रुपये प्रति बैरल तक पहुंचा। ईरान के हमलों और तेल आपूर्ति पर संकट ने निवेशकों और आम लोगों की जेब दोनों पर दबाव बढ़ा दिया है। पश्चिम एशिया में संघर्ष की आग और तेल की कीमतों में भयंकर उछाल ने गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजार को हिला कर रख दिया। जहां डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 1046 पॉइंट यानी 2.1: टूट गया, ै-च् 500 1.3: नीचे आया और नैस्डैक कंपोजिट 1.1: कमजोर हुआ। इसका बड़ा कारण रहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के चलते ब्रेंट क्रूड की कीमत 4.7: बढ़कर 7,821 रुपये प्रति बैरल पहुंच गई, जबकि अमेरिकी क्रूड 8.1: उछलकर 7,403 रुपये हो गयए। बता दें कि अमेरिकी क्रूड 7,342 रुपये के ऊपर अगस्त 2024 के बाद पहली बार गया है। बता दें कि तेल की इस तेजी का सीधा कारण ईरान की तरफ से इस्राइल, अमेरिकी सैन्य अड्डों और क्षेत्रीय देशों पर नई हमले की लहर है। इसके चलते निवेशक डर रहे हैं कि इस युद्ध के कारण तेल और गैस के उत्पादन और परिवहन में लंबी अवधि तक व्यवधान रह सकता है। आम आदमी की जेब पर असर डाल रही ईंधन की बढ़ती कीमतें गौर करने वाली बात यह है कि अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत अब 298 रुपया प्रति गैलन पहुंच गई है, जो पिछले हफ्ते 273 रुपये थी। बढ़ती ईंधन कीमतें सीधे तौर पर लोगों की खर्च करने की क्षमता को प्रभावित कर रही हैं, जिससे रिटेल और अन्य उपभोक्ता सेवाओं पर दबाव बढ़ रहा है। शेयर बाजार में सबसे ज्यादा नुकसान अच्छा इस संघर्ष का सबसे ज्यादा असर शेयर बाजार पर भी पड़ता दिख रहा है। उदाहरण के तौर पर रिटेल सेक्टर में उच्च पेट्रोल कीमतों के चलते लोग अन्य चीजों पर कम खर्च कर रहे हैं। मेरिकन ईगल आउटफिटर्स के शेयर 14.8: गिर गए, बावजूद इसके कि कंपनी ने अपेक्षा से बेहतर मुनाफा और राजस्व रिपोर्ट किया। इसके साथ ही महंगे ईंधन और पश्चिम एशिया में फंसे यात्रियों के कारण एयरलाइंस के शेयर भारी नुकसान में रहे। अमेरिकन एयरलाइंस दृ 6.6: की गिरावट यूनाइटेड एयरलाइंस दृ 6.8: की गिरावट डेल्टा एयर लाइन्स दृ 5.3: की गिरावट कुछ राहत के संकेत भी हालांकि तकनीकी क्षेत्र की ब्रॉडकॉम ने अच्छे नतीजे पेश किए और एआई चिप्स की बिक्री में 74: की वृद्धि का दावा किया। इसके चलते कंपनी के शेयर 3.6: बढ़े। यह शेयर बाजार में स्थिरता का एक सकारात्मक संकेत बना। बॉन्ड मार्केट और ब्याज दरों पर असर तेल की बढ़ती कीमतों के चलते अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड्स भी ऊपर गए। 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड 4.13: तक पहुंच गई। इससे संकेत मिलता है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरें ज्यादा समय तक ऊंची रख सकता है, जिससे कर्ज महंगा होगा और अर्थव्यवस्था की गति धीमी हो सकती है। हालांकि फेडरल रिजर्व ने पहले संकेत दिया था कि वह इस साल ब्याज दरों में कटौती करेगा, लेकिन युद्ध और तेल की कीमतों की बढ़त के कारण अब यह समय आगे बढ़ गया है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मिली-जुली तस्वीर कुछ रिपोर्ट्स सकारात्मक हैं। उदाहरण के लिए, इस हफ्ते बेरोजगारी लाभ के लिए कम लोगों ने आवेदन किया, जो नौकरी बाजार के लिए अच्छी खबर है। अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजार का रुख एशियारू दक्षिण कोरिया का कोस्पी 9.6: बढ़ा, जिससे बुधवार की रिकॉर्ड गिरावट का हिस्सा वापस आया। यूरोपरू तेल की कीमतों में तेजी के कारण यूरोपीय बाजार कमजोर रहे। फ्रांस का ब्।ब् 40रू -1.5: जर्मनी का क।ग्रू -1.6: निवेशकों को सलाह, क्या कहते हैं विशेषज्ञय दूसरी ओर बाजार में इस प्रकार की उथल पुथल को देखते हुए वेल्स फर्गो निवेश संस्थान के वरिष्ठ रणनीतिकार स्कॉट व्रेन का कहना है कि युद्ध के बढ़ने का खतरा हमेशा है, लेकिन बाजार की प्रतिक्रिया आम तौर पर अस्थायी होती है।

शहबाज सरकार के तेल भंडार पर बड़े–बड़े दावों की खुली पोल, डीलर्स बोले– बचा सिर्फ14 दिनों का स्टॉक

नई दिल्ली। पाकिस्तान में पेट्रोलियम भंडार को लेकर विवाद बढ़ गया है। पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन का दावा है कि देश में पेट्रोल-डीजल का स्टॉक केवल 14 दिन का है, जबकि ओजीआरए पर्याप्त भंडार होने की बात कह रहा है। आइए विस्तार से जानते हैं। पाकिस्तान में पेट्रोलियम उत्पादों के भंडार को लेकर नया विवाद सामने आया है। पाकिस्तान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (च्क्।) ने ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी (व्ळत।) के आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि देश में पेट्रोलियम भंडार को लेकर जनता को गुमराह किया जा रहा है। कितने दिनों का बचा है स्टॉक? पीपीडीए के चेयरमैन अब्दुल सामी खान ने कहा कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों का स्टॉक केवल 14 दिनों के लिए ही पर्याप्त है, जो ओजीआरए के दावों से बिल्कुल अलग है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर आपूर्ति में बाधा जारी रही तो देशभर के पेट्रोल पंपों पर स्थिति और गंभीर हो सकती है। डीलर्स एसोशिएशन ने क्या बताया? डीलर्स एसोसिएशन ने यह भी कहा कि अगर हालात में सुधार नहीं हुआ तो पूरे पाकिस्तान में पेट्रोल पंप बंद करने की नौबत आ सकती है। अब्दुल सामी खान के मुताबिक ईरान से पेट्रोल और डीजल के आयात पर रोक लगने से तेल विपणन कंपनियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। इसके साथ ही पेट्रोलियम उत्पादों के वितरण के लिए लागू कोटा प्रणाली ने भी आपूर्ति संबंधी समस्याओं को और बढ़ा दिया है। हालांकि व्ळत। ने लोगों से घबराने से बचने की अपील की है। प्राधिकरण का कहना है कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार मौजूद है और लोगों को अनावश्यक रूप से ईंधन की खरीदारी नहीं करनी चाहिए। पेट्रोलियम डीलरों ने सुरक्षा उपलब्ध करना की मांग की संभावित संकट को देखते हुए पेट्रोलियम डीलरों ने सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (प्ळ) से पेट्रोल पंपों को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके और संचालन सामान्य बना रहे। ओएमएपी ने किस बात की आशंका जताई? इसी बीच ऑयल मार्केटिंग एसोसिएशन ऑफ पाकिस्तान (व्ड।च) ने भी देशभर में ईंधन आपूर्ति बाधित होने की आशंका जताई है। लाहौर से जारी एक पत्र में व्ड।च् ने कहा कि स्थानीय रिफाइनरियां पहले से तय आपूर्ति प्रतिबद्धताओं से पीछे हट रही हैं। एसोसिएशन के अनुसार, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने अपनी आपूर्ति योजना इस भरोसे पर बनाई थी कि घरेलू रिफाइनरियां प्रोडक्ट रिव्यू बैठक में तय मात्रा के अनुसार पेट्रोलियम उत्पाद उपलब्ध कराएंगी। लेकिन रिफाइनरियों ने उस प्रतिबद्धता के अनुसार आपूर्ति नहीं की। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने खोली पोल ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के समूह के चेयरमैन तारिक वजीर अली ने कहा कि कई कंपनियों ने आयातित कार्गो की व्यवस्था नहीं की, क्योंकि उन्हें भरोसा दिया गया था कि स्थानीय रिफाइनरियां मांग पूरी कर देंगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल न. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।